सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 141 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 06 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

वारंट के बारे में पूछने आई महिला ने आरक्षक को पीटा

भिलाई। थाना छावनी में पदस्थ महिला आरक्षक एलिशा की ड्यूटी 3 मार्च को दोपहर 2 बजे से रात 9 बजे तक वायरलेस सेट में लगी थी। इसी दौरान रेखा जोशी मेमन अपने पति नूर मेमन के साथ थाने पहुंची और अपने खिलाफ जारी वारंट के बारे में पूछताछ करने लगी। आरक्षक ने उसे बताया कि 4 मार्च के लिए उसके नाम से जमानती वारंट जारी है। इसी बात पर महिला नाराज हो गई और पुलिसकर्मियों के खिलाफ अपशब्द कहने लगी। इसके बाद उसने आरक्षक के बाल पकड़ लिए और हाथ-मुक्कों से मारपीट कर दी। आरोप है कि इस दौरान उसने महिला आरक्षक की वर्दी भी खींचकर फाड़ दी और जान से मारने की धमकी दी। महिला आरक्षक की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

हॉर्न बजाने को लेकर हुआ विवाद और मारपीट

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में सामने आया है। जहां कार का हॉर्न बजाने को लेकर विवाद हो गया। शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार टंडन ने पुलिस को बताया कि वह बलौदाबाजार जिला न्यायालय में स्टेनोग्राफर के पद पर कार्यरत हैं। 4 मार्च की शाम वह अपनी कार से परिवार के साथ भाई रोशन कुमार टंडन के ससुराल ग्राम मुडपार जा रहे थे। शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह मुडपार के प्राइमरी स्कूल चौक के पास पहुंचे तो सड़क पर भीड़ लगी हुई थी। रास्ता साफ कराने के लिए उन्होंने कार का हॉर्न बजाया। इसी दौरान सड़क पर खड़े नरेश साहू और निखिल साहू कार के पास आए और हॉर्न बजाने की बात पर गाली-गलौज करने लगे। दोनों ने कॉलर पकड़ लिया और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। आरोपियों ने कार के पीछे जाकर दाहिने पहिए के ऊपर कार की बॉडी पर लात मारकर नुकसान भी पहुंचाया।

दिनभर होली खेली, रात में फंदे से लटकी मिली लाश

भिलाई। वैशाली नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत 24 साल के युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान राजीव नगर, भिलाई निवासी सौरभ सोनकर के रूप में हुई है। युवक होली के दिन परिजनों के साथ था और होली भी खेली, लेकिन रात में फांसी के फंदे पर उसकी लाश मिली। जानकारी के मुताबिक, सौरभ ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। जब परिजनों और दोस्तों को इसकी जानकारी मिली तो वे तुरंत उसे नीचे उतारकर भिलाई के एक निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रकरणों की सुनवाई 13 को

कांकेर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में बस्तर, कांकेर, दंतेवाड़ा, कोण्डागांव, नारायणपुर, बीजापुर एवं सुकमा जिलों से प्राप्त प्रकरणों की सुनवाई अध्यक्ष डॉ. श्रीमती किरणमयी नायक एवं आयोग के सदस्यों द्वारा 13 मार्च को जगदलपुर में की जाएगी।

टी-20 विश्वकप के फाइनल में पहुंची टीम इंडिया, मुख्यमंत्री साय ने खिलाड़ियों को दी जीत की बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को पराजित कर फाइनल में पहुंचने पर भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। यह पूरे देश के लिए गर्व और उत्साह का क्षण है। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों ने अद्भुत खेल दिखया। यह जीत केवल एक मैच की जीत नहीं, बल्कि हर भारतीय के आत्मविश्वास और तिरंगे की शान का प्रतीक है। मुख्यमंत्री साय ने भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल मैच में भारतीय टीम की जीत के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

संजू, बुमराह, अक्षर छाए

संजू सैमसन की शानदार बल्लेबाजी के बाद भारतीय गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड को सात रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारत ने सैमसन की तूफानी अर्धशतकीय पारी (89 रन) की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 253 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 246 रन ही बना सकी। उनके लिए जैकब बेथेल ने 105 रन बनाए। वहीं, भारत के लिए हार्दिक पांड्या ने दो विकेट लिए जबकि अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

भिलाई की बदलेगी सूरतः बजट में वैशाली नगर को 300 करोड़, धरातल पर उतरेंगे बड़े प्रोजेक्ट्स

विधायक रिकेश के प्रयासों से वैशाली नगर विधानसभा के विकास के लिए राशि स्वीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार द्वारा प्रस्तुत नवीन बजट 2026-27 वैशाली नगर विधानसभा के लिए प्रगति के नए द्वार खोलने वाला साबित हुआ है। विधायक रिकेश सेन की सक्रियता और जनसेवार्थ विजन के फ्लस्वरूप वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 300 करोड़ के महत्वपूर्ण विकास कार्यों को बजट में शामिल किया गया है। इस भारी-भरकम राशि से न केवल क्षेत्र का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, बल्कि भिलाईवासियों को यातायात के दबाव से मुक्ति और सुगम आवागमन की सौगात मिलेगी।

विधायक रिकेश सेन की विशेष पहल पर शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए तीन बड़े फ्लाईओवर के निर्माण को बजट में स्थान दिया गया है। आपको बता दें कि गदा चौक से सुपेला चौक तक फ्लाईओवर, बघवा मंदिर से कर्मा चौक तक फ्लाईओवर, केपीएस अग्रसेन चौक से नेहरू नगर चौक तक फ्लाईओवर के निर्माण को बजट में शामिल किया गया है। इन ओवरब्रिजों के निर्माण से वैशाली नगर की लाइफलाइन कही जाने वाली सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और घंटों के जाम से जनता को स्थायी राहत मिलेगी। विधायक रिकेश सेन के प्रयास से बजट में शामिल अन्य प्रमुख कार्यों में सड़कों का चौड़ीकरण और नई सड़कों का जाल बिछाना शामिल है जो क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को गति देंगे।

एमआर 9 मार्ग 4 लेन

जुनवानी अवंती बाई चौक से छावनी चौक तक 9 किमी सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, जुनवानी-कोहका कुरूद मार्ग एवं कोसानाला से कुटेलाभाठा मार्ग का नवनिर्माण होगा। जुनवानी-कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरूद बस्ती और सुंदर विहार कॉलोनी तक सड़क निर्माण अत्यंत आवश्यक रहा है।

स्ट्रीट लाइट प्रोजेक्ट : कई मार्ग होंगे जगमग

वैशाली नगर विधानसभा में जेवरा सिरसा से खपरी, कोहका एवं सूर्या मॉल मार्ग सहित अनेक प्रमुख मार्ग आधुनिक लाइटों से जगमगाएंगे। विधायक रिकेश सेन ने कहा कि हमारा लक्ष्य वैशाली नगर को एक आदर्श विधानसभा बनाना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव सायजी के नेतृत्व में 'सुशासन' का यह बजट भिलाई की जनता की आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला है। वैशाली नगर विधानसभा में 300 करोड़ के ये कार्य केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि विकसित भिलाई के संकल्प को मूर्तरूप देने की दिशा में बढ़ाए गए मजबूत कदम हैं।

सुखोई हादसा : दो पायलट शहीद

एयरबेस से उड़ान भरने के बाद लड़ाकू विमान हुआ था लापता

गुवाहाटी। असम में वायु सेना का एक सुखोई-30 लड़ाकू विमान एक प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह विमान कार्बी आंगलोंग जिले के पहाड़ी और जंगली इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुखद घटना में विमान में सवार दोनों पायलट बलिदान हो गए।

वायु सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर निकला था। इसने गुरुवार शाम को जोरहाट एयरबेस से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान का संपर्क कंट्रोल रूम से टूट गया और वह रडार से अचानक गायब हो गया। इसके बाद वायु सेना ने तुरंत तलाशी अभियान शुरू किया। जिसके बाद शुक्रवार सुबह विमान का मलबा मिला।

मामले को लेकर एक रक्षा अधिकारी ने जानकारी दी कि वायु सेना की सर्च और रेस्क्यू टीम, सिविल और पुलिस प्रशासन और गांववालों की मदद से, रात करीब एक बजे घटनास्थल पर गई और दुर्घटनाग्रस्त विमान का मलबा ढूंढ निकाला। यह जगह जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 किलोमीटर दूर एक दुर्गम इलाके में है। वायु सेना ने घटना की पुष्टी कर दी है और मामले में जांच का आदेश दे दिए हैं। जांच टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हादसा किन पर परिस्थितियों में हुआ है।

दिन में तेज तपिश, राजनांदगांव में 38 डिग्री पाराः उत्तर छत्तीसगढ़ में रातें अब भी ठंडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मौसम के मिजाज में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। पूरे प्रदेश में मौसम डाई बना हुआ है और आने वाले कुछ दिनों तक राहत के आसार भी नहीं हैं। मैदानी इलाकों में तापमान लगातार बढ़ रहा है और पारा 38 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। वहीं उत्तर छत्तीसगढ़ के जिलों में अभी भी रात के समय हल्की ठंड महसूस की जा रही है।

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम

न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 12 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, फिलहाल मौसम के दो सिस्टम एक्टिव हैं, लेकिन इनका छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना पर अभी कोई खास असर देखने को नहीं मिल रहा है।

पुलिस कमिश्नरेट का पता बदला : सी-3 बंगले में शिफ्ट

कमिश्नर संजीव शुक्ला नए ऑफिस से संभालेंगे राजधानी की सुरक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद रायपुर पुलिस कमिश्नर का दफ्तर अब स्थाई रूप से राजस्व कमिश्नर कार्यालय में शिफ्ट हो गया है। रायपुर के पहले पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और एडिशनल सीपी अमित तुकाराम कांबले अब नए दफ्तर से राजधानी की सुरक्षा संभालेंगे।

रायपुर पुलिस कमिश्नर का नया दफ्तर सिविल लाइंस स्थित ष्ट-3 बंगले में शिफ्ट कर दिया गया है। गौरतलब है कि यह वही बंगला है, जहां अब तक प्रदेश के डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा निवास करते थे। शासन स्तर पर निर्णय के बाद अब इस बंगले को पूरी तरह से पुलिस कमिश्नर कार्यालय के रूप में तब्दील कर दिया गया है।

नए ऑफिस में कामकाज शुरू

कमिश्नरेट प्रणाली के अस्तित्व में आने के बाद शुरुआती कुछ दिनों तक इसका संचालन पुराने राजस्व कमिश्नर कार्यालय से किया जा रहा था। लेकिन अब सेटअप तैयार होने के बाद कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला आज से विधिवत रूप से ष्ट-3 बंगले में स्थित नए कार्यालय में बैठना शुरू करेंगे। एडिशनल पुलिस कमिश्नर अमित तुकाराम कांबले भी इसी परिसर से अपना कामकाज संचालित करेंगे।

दंतेवाड़ा मुठभेड़ में 5 लाख का इनामी नक्सली राजेश ढेर

गीदम थाना क्षेत्र के जंगलों में हुई मुठभेड़,अंधेरे का फायदा उठाकर कई भागे

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 5 लाख रुपये का इनामी नक्सली मारा गया। यह मुठभेड़ बुधवार रात गीदम थाना क्षेत्र के जंगलों और पहाड़ियों में हुई।

दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक गौरव राय के अनुसार, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और

बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम इलाके में नक्सल विरोधी अभियान पर थी।

पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि पुलिस को 3 मार्च को सूचना मिली थी कि गीदम क्षेत्र में गुमालनार, गिरसापारा और नेलगोड़ा गांवों के बीच जंगलों में नक्सलियों ने हथियार और अन्य सामग्री छिपा रखी है। इसी सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया। पुलिस के अनुसार, जब सुरक्षाबल जंगलों को घेरकर तलाशी ले रहे थे, तभी भैरमगढ़ एरिया कमेटी के करीब एक दर्जन नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मुठभेड़ हुई। घने जंगल, पहाड़ी इलाका और अंधेरे का फायदा उठाकर नक्सली भागने में सफल रहे। मुठभेड़ वाली जगह की तलाशी के दौरान एक नक्सली का शव बरामद किया गया। उसकी पहचान राजेश पुनेम के रूप में हुई है, जिस पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

9 दिन से दुबई में फंसे बिलासपुर के 3 दोस्त

लगातार 3 फ्लाइट कैंसिल होने से वापसी में देरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब दुबई तक महसूस किया जा रहा है। इस बीच छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के 3 युवक दुबई में फंसे हुए हैं। तीनों दोस्त घूमने के लिए दुबई गए थे।

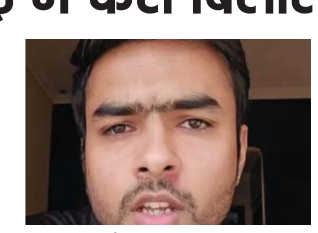

जानकारी के मुताबिक, युवकों का नाम शिवम मिश्रा, आकाश अग्रवाल और आयुष अग्रवाल है, जो कोटा के रहने वाले हैं। लगातार फ्लाइट रद्द होने से तीनों दुबई में फंसे हुए हैं। हालांकि, तीनों युवक होटल में सुरक्षित हैं। वहीं, परिजनों ने भारत सरकार से मदद मांगी है।

तीनों युवक वीडियो कॉल के जरिए परिजनों से संपर्क बनाए हुए हैं। बताया गया कि पहले उनकी टिकट 28 फरवरी की थी, लेकिन उड़ान कैंसिल हो गई। इसके बाद 3 मार्च और 5 मार्च की फ्लाइट भी रद्द हो गई थी। अब आज (6 मार्च) वापसी के कयास लगाए जा रहे हैं। शिमव मिश्रा ने केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू से फोन पर बात की थी। जिस पर उन्होंने मदद का आश्वासन दिया था।

बीसीसीआई वुमन्स अंडर 23 वनडे ट्रॉफी : छत्तीसगढ़ महिला टीम की बड़ी जीत, बिहार को 224 रन से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई वुमन्स अंडर 23 वनडे ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ की ने बिहार को 224 रन के बड़े अंतर से हराया है। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट के नुकसान में 359 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

चेज करने उतरी बिहार की टीम के प्लेयर्स में बड़े स्कोर प्रेशर साफतौर पर दिखाई। टीम प्रेशर में सर्वाइव नहीं कर पाई। पूरी टीम 41 ओवर में 135 रन बनाकर सिमट गई।

पहले खेलते हुए छत्तीसगढ़ की ओपनर बल्लेबाज मानश्री मौर्य ने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 113 रन बनाए। चंद चेलक ने (74 रन) ने उनका बढ़िया साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 146 रन की मजबूत साझेदारी कर टीम को बेहतरीन

शुरुआत दिलाई। इसके अलावा ऐश्वर्या सिंह ने 70 रन और राधिका नेताम ने नाबाद 53 रन का योगदान दिया। बिहार की ओर से तेजस्वी को 2 विकेट मिले।

बिहार के लिए यशिता सिंह ने नाबाद 66 रन बनाए, लेकिन उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। छत्तीसगढ़ की ओर से गेंदबाजी में तान्या बेरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि साक्षी शुक्ला ने 3 विकेट हासिल किए। इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ अंडर-23 महिला टीम ने टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बिहार को 224 रन से हराकर बड़ी जीत दर्ज की।

संपादकीय

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

भाजपा के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने की तैयारी

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल, विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह, उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार, जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

> “ भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा, अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में।

बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह, वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकर्ताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल, अब तक विधान परिषद, बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद, वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है। यह सब भाजपा के विधानसभा में संख्याबल के दबाव में होना था, लेकिन यह इतना जल्दी हो जाएगा, इसकी उम्मीद नहीं थी। वे इसे जेडीयू के संकुचन की शुरुआत बता रहे हैं।

जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तब वास्तव में हम जीवन को उसकी पूरी विविधता के साथ गले लगाते हैं और शायद यही होली का सबसे गहरा प्रतीकवाद है। होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है। जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय ऊष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के द्वंद्व सुख-दु:ख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है।

यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार है। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हंसी-खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है।

रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहां रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन-दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दु:ख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है। होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का द्वंद्व है। द्वंद्व अर्थात विरोधों का सह-अस्तित्व। सुख और दु:ख, प्रेम और घृणा, जीत और हार- ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं।

होली में जब लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस द्वंद्व को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अमीर है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएं स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आत्मकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनाहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक-दूसरे को छूने, हंसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।

होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन और विश्वास की रक्षा की कथा है। होलिका का जलना और प्रह्लाद का बचना इस बात का संकेत है कि सत्ता, बल और छल अंतत: सत्य और आस्था के सामने टिक नहीं पाते। दहन की अग्नि हमारे भीतर के भय, क्रोध और द्वेष को जलाने का आह्वान करती है, ताकि अगले दिन रंगों के साथ नया जीवन आरंभ हो सके। होली का सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। गांव की गलियों से लेकर महानगरों की छतों तक, लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। पुराने गिले-शिकवे मिटते हैं, नए संबंध बनते हैं। 'बुरा न मानो, होली है' केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि क्षमा और उदारता का सामाजिक मंत्र है। यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि जीवन में हर बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं; कभी-कभी हंसकर आगे बढ़ जाना भी बुद्धिमानी है। रंगों का यह उत्सव स्त्री-पुरुष, बालक-वृद्ध, सभी को समान रूप से शामिल करता है। बच्चों के लिए होली शुद्ध आनंद है, युवाओं के लिए उत्साह, और वृद्धों के लिए स्मृतियों की पुनरावृत्ति। इस प्रकार होली समय की सीमाओं को भी तोड़ती है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक ही रंगीन क्षण में समेट लेती है। आज जब समाज में तनाव, अवसाद और अलगाव बढ़ रहा है, तब होली का मनोवैज्ञानिक महत्व और भी बढ़ जाता है। रंग खेलना केवल बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि आंतरिक मुक्ति की प्रक्रिया है। यह हमें अपने भीतर जमी कठोरताओं को ढीला करने का अवसर देती है। हंसी, गीत और नृत्य मन को हल्का करते हैं।

होली हमें यह भी सिखाती है कि रंग स्थायी नहीं होते। शाम होते-होते रंग धुल जाते हैं, चेहरे फिर अपने मूल रूप में लौट आते हैं। यह अस्थायित्व जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। इसलिए अहंकार, वैमनस्य और कठोरता को ढोने का कोई अर्थ नहीं। रंगों की तरह जीवन भी बहता है, बदलता है। इसे थामने की कोशिश में हम केवल थकते हैं, जी नहीं पाते। होली जीवन को पूरे मन से स्वीकार करने का पर्व है। यह हमें बताती है कि रंगहीनता कोई नियति नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे बदला जा सकता है। होली हमें भीतर झांकने और अपने मन में रंग भरने का निमंत्रण देती है। होली रंगों का उत्सव भर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का जीवंत पाठ है। यह द्वंद्वों को स्वीकार करना सिखाती है, भेदों को मिटाने का साहस देती है और रंगहीन समाज में मानवीय संवेदनाओं के रंग घोल देती है।

140 करोड़ लोगों का देश मात्र एक बाजार

हरिशंकर व्यास

कैसे दिल्ली एआई शिखर समिट भारत बिक्री का मेला था? पहली बात दुनिया ने जाना कि 140 करोड़ लोगों का देश मात्र एक बाजार है। उसकी बड़ी-बड़ी बातें, बड़े-बड़े मंहगे विश्वविद्यालय नकल की भी अक्ल लिए हुए नही हैं। डिग्रीधारी, रट्टामार इंजीनियरों, कर्मयोगियों की भीड़ है मगर कुशल एआई शोधकर्ताओं की संख्या तीन सौ से भी कम है। दुनिया की कथित तीसरी बड़ी आर्थिकी इतनी पोली और कड़की है जो वह अनुसंधान-विकास पर जीडीपी का सिर्फ 0.7 फीसदी खर्च करती है। पूरी भीड, पूरा बाजार और कंपनियां सभी विदेशी उत्पाद, मॉडल तथा ऐप के बूते जिंदा है। दुनिया में बाकी जगह कंपनियां कम से कम एआई उपयोग की कोशिश करती हैं वही भारत की 92 प्रतिशत कंपनियां विदेशी एआई मॉडल अपना चुकी हैं। टी20 क्रिकेट विश्व कप में भारत-पाकिस्तान मुकाबला हुआ तो उसके 45 करोड़ दर्शकों के बीच बेचने का सर्वाधिक विज्ञापन स्लॉट चैटजीपीटी का था। मतलब चैटजीपीटी भारत से सर्वाधिक कमाई का रोडमैप बनाए हुए है।

तभी दुनिया की हर बड़ी कंपनी का टेक दिग्गज दिल्ली के मेले में दौड़ा आया। सब एकत्र हुए। और भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक कंपनियों के इन प्रमुखों के हाथ अपने साथ ऊपर उठवा कर मैसेज दिया देखो मेरे साथ भारत के खरीदारों का यह जमावड़ा। वैश्विक खरबपतियों ने मेरे से कितनी उम्मीदे पाली हुई है?

मुझे मेरा ही देखा वह समय याद हो आया जब पिछली आईटी क्रांति में माइक्रोसॉफ्ट कंपनी अपने प्रोडक्ट की सरकारी बिक्री बढ़वाने के लिए डेमो, कार्यशालाएं आयोजत करती थी। तब भारत में बेचने का वह मार्केटिंग तंत्र था, जिससे प्रोडक्ट प्रस्तुति, डिप्लोमा कोर्स, सरकारी अनुबंध-बिक्री का लंबा-चौड़ा मार्केटिंग अभियान चला था। वैसा ही अब वैश्विक अमेरिकी कंपनियां अपना जाल, अपना नेटवर्क, अपनी चेन में 140 करोड़ की भीड को बंधक बनाने का ब्लूप्रिंट लिए हुए हैं। मैं सन् 1996 से लिखता आ रहा हूं कि भारत आईटी कुली पैदा करने के अलावा अपना कुछ भी नहीं बना रहा। सोचें, भारत सरकार, प्रदेश सरकारों, जनता सब कैसे माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस प्रोडक्ट, गूगल ईमेल, सर्च इंजिन, व्हाट्सऐप पर स्थायी आश्रित हो चुके है। आगे अमेरिकी एआई पर होंगे। नया फेज एआई क्रांति है। दिमाग भन्ना गया यह सुन कर कि गूगल के सुंदर पिचई ने भारत के प्रधानमंत्री मोदी को पट्टी पढ़ाई और विश्वगुरू मोदी ने उन्हें एक 'कर्मयोगी' का जुमला दिया तो गूगल ने मौका लपका। भारत उद्धार की झांकी बनाते हुए दो करोड़ सरकारी कर्माचारियों को एआई के कृत्रिम दिमाग को अपनाने की ट्रेनिंग देने का ऐलान किया। सोचें, पहली बात, भारत का सरकारी कर्मचारी यदि 'कर्मयोगी' होता तो भारत का नागरिक लूटता और भारत मात्र बाजार बना होता?

दूसरी बात, ये कर्मचारी पहले से ही सोशल मीडिया (वह भी तो प्रतिदिन सात घंटे ऑनलाइन का प्रतिनिधि है) से टाइमपास करते है तो दफ्तरों में मान्य चैटजीपीटी या गूगल चैट की सरकारी वैधता के बाद कर्मचारी क्या करेंगे? पूरी सरकार (मोदी के पीएमओ से लेकर पटवारी तक) इस फॉर्मूले में एआई का उपयोग करेंगे- एआई बताओं, लिखों राजस्व बढ़ाने का एक नोट, या लोगों को झूठ, भय, भूख, भक्ति में बांधने के उपाय! या लिखे डराने, धमकाने वाला नोटिस, सम्मन, एफआईआर, चार्जशीट का ऐसा मसौदा, जिसे पढ़ कर वकील के भी होश उड़ जाए! और नागरिक रिश्वत ले कर दौड़ा-दौड़ा आए! चेक करो फलां नागरिक के दिमाग का खाता, वह हजारों में रिश्वत देने में समर्थ है या लाखों-करोड़ों में! वसूली में किसकी, कैसी हैसियत है?

पता है गूगल ने प्रधानमंत्री से यह भी वायदा किया है कि कंपनी सीधे अमेरिका- भारत के जुडाव के लिए समुद्र में केबल बिछाएगी। भला क्यों? ताकि गूगल या अन्य अमेरिकी कंपनियां डायरेक्ट केबल लिंक से भारत में बेचने का अपना ट्रैफिक, भारत से लूट की कमाई की प्राप्ति का आधुनिकतम पक्का रूप बना लें। सुंदर पिचई ने आंध्रप्रदेश के चंद्रबाबू नायडू, सरकार के माईबाप जगत सेठ अडानी को भी पटा कर यह बड़ा ऐलान, सौदा पकवा दिया है कि गूगल भारत में विशाल डेटा सेंटर बनाएगी! किसलिए यह इंफ्रास्ट्रक्चर? ताकि सरकार, अडानी, अमेरिकी कंपनी बाजार की प्रोसेसिंग मतलब नियंत्रक, रेवेन्यू ट्रांसफर आदि सभी पहलुओं में स्वदेशी इंफ्रास्ट्रक्चर से बेधड़क काम करती रहे। अब जरा इतिहास याद करें। पता है आपको आगरा के जहांगीर दरबार में ऐसे ही एक अंग्रेज ने भारत के बाजार को बूझते हुए सूरत में अपना व्यापारी गोदाम बनाया था। फिर उस छोटी सी अनुमति से भारत की लूट का इतिहास बना। उस इतिहास और आज के समय का बेसिक फर्क मात्र यह है कि हिंदुस्तान की नस्ल-कौम के दिमाग में तब फिर भी कुछ जैविक बुद्धि बची हुई थी।

तभी दयानंद सरस्वती, तिलक, लाल-बाल-पाल तब स्व, स्वराज, स्वदेश के विचार दे बैठे थे। जबकि आज 2026 में वह सब लुप्त है। आज दिमाग पूरी तरह झूठ, नकल, जुगाड और कृत्रिम विश्वगुरूता का खोखा है। तभी आगे क्या होगा, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है!

लोगों को मूर्ख बनाने का मौका

अजीत द्विवेदी

बिहार में कोई काम नहीं है। सचमुच कोई काम नहीं है। शराबबंदी ने जरूर कुछ लोगों को काम पर लगाया है, जैसे स्कूली बच्चे और बच्चियां अपने स्कूल बैग में शराब की बोतलें ढो रहे हैं। जमीन के कारोबार में भी कुछ भी लोग लगे हैं। हालांकि इनमें भी ज्यादातर काम फर्जीवाड़े का है। जिन लोगों के पास सरकारी नौकरी है उनकी बात छोड़ दें तो अधिकतर परिवार खेती पर आश्रित हैं। घरों में बूढ़े बचे हुए हैं, जो बाहर कमाने वाले अपने बच्चों की ओर से पैसे आने का इंतजार कर रहे होते हैं।

लगभग हर परिवार से एक या उससे ज्यादा व्यक्ति बाहर हैं। जो गरीब है, अक्षम है उसके बच्चे कमाने गए हैं और जो सक्षम है उसके बच्चे पढ़ने गए हैं या पढ़ लिख कर बाहर ही सेटल हो गए हैं। भयावह स्थिति है बिहार में। लेकिन सरकार के मुखिया नीतीश कुमार पूरी तरह से गाफिल हैं। उनको न अपनी सुध बुध है और न सरकार की। उनके बदले में जो लोग सरकार चला रहे हैं सब सत्तालोलुप और स्वार्थी लोग हैं, जिन्हें बिहार की बेहतरी से कोई मतलब नहीं है।

वैसे बिहार की यह दुर्दशा पिछले करीब चार दशक से है लेकिन अब स्थिति और खराब हो गई है। लेकिन इसमें भी नेता बिहार के लोगों को मूर्ख बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। पिछले साल दिसंबर में जब एनडीए को दो सौ सीटों से ज्यादा का बहुमत मिला और सरकार बनी तो कैबिनेट की पहली बैठक में बिहार में सेमीकंडक्टर हब बनाने, आईटी सिटी बनाने, सेटेलाइट शहर विकसित करने जैसे बड़े प्रस्ताव पास किए गए। लोगों को लगा कि अब उनका जीवन बदलने वाला है। लेकिन बजट आया तो उसमें ऐसा कुछ नहीं था, जिससे लगे कि बिहार में कुछ बदलने का प्रयास होगा। अगले साल का बिहार का बजट तीन लाख 47 हजार करोड़ रुपए का है, जिसमें से 74 फीसदी हिस्सा केंद्रीय करों में हिस्से के रूप में और केंद्र से अनुदान के रूप में मिलेगा।

सोचें, बिहार अपने राजस्व से अपने बजट का सिर्फ 26 फीसदी हिस्सा जुटा पाता है। इसमें भी टैक्स और नॉन टैक्स राजस्व कुल 65 हजार करोड़ रुपए का ही है। बिहार पर चार लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है। सरकार का सारा पैसा वेतन, भत्ते, पेंशन, कर्ज का ब्याज आदि चुकाने में खर्च होता है। सरकार के पास राजस्व बढ़ाने की कोई दृष्टि नहीं है और न कोई राजनीतिक इच्छाशक्ति है। नीति आयोग के आंकड़ों की याद दिलाने की जरुरत नहीं है कि विकास के हर मानक पर बिहार सबसे नीचे है।

ऐसी वित्तीय स्थिति वाले राज्य में जब नया हवाईअड्डा बनाने की बात सुनाई दे तो कैसा महसूस होगा? बिहार के लोग राजनीतिक रूप से बहुत जागरूक बताए जाते हैं। लेकिन पता नहीं ऐसे मामलों में उनकी जागरूकता कहां चली जाती है? पिछले दिनों बिहार सरकार ने कैबिनेट की बैठक में पटना से सटे सोनपुर में एक ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण का ऐलान किया। कहा गया कि इसके लिए 42 सौ एकड़ जमीन का अधिग्रहण होगा। जमीन अधिग्रहण के लिए 1,302 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। दावा किया गया कि यह नवी मुंबई के एयरपोर्ट की तरह होगा। सोनपुर में प्रस्तावित हवाईअड्डे का बजट चार हजार करोड़ रुपए से कुछ ज्यादा का है। सवाल है कि बिहार जैसे राज्य की प्राथमिकता में पटना के बगल में एक और हवाईअड्डा बनाने की बात कैसे आ सकती है? किसी भी समझदार और बिहार के प्रति ईमानदारी व्यक्ति को बिहार के लिए जरूरी एक हजार कामों की सूची बनाने को कहा जाए तो उसमें भी हवाईअड्डे को निर्माण को जगह नहीं मिलेगी। लेकिन यहां सरकार की पहली प्राथमिकता हवाईअड्डा बनाने की दिख रही है!

यह कितना गैरजरूरी है इसे बिहार के हवाईअड्डों की स्थिति और हवाई यात्रियों की संख्या से समझा जा सकता है। सोनपुर में जहां नया हवाईअड्डा प्रस्तावित किया गया है वह पटना हवाईअड्डे से अधिकतम 25 किलोमीटर की दूरी पर है। सो, पहला सवाल तो यही है कि पटना हवाईअड्डे से 25 किलोमीटर दूर एक और हवाईअड्डा क्यों बनाना है? क्या पटना हवाई ट्रैफिक का लोड नहीं उठा पा रहा है?

क्या सोनपुर कोई बड़ा औद्योगिक शहर है, जहां दुनिया भर से लोग आते हैं और जहां से लाखों टन माल की आपूर्ति होती है? सोनपुर क्या कोई गिफ्ट सिटी है? कोई साइबर सिटी है? ऐसा कुछ नहीं है! फिर भी वहां ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे का प्रस्ताव है, जिसे 2030 तक बना देना है। हालांकि सबको पता है कि कुछ नहीं होगा। कोई हवाईअड्डा नहीं बनेगा। सिर्फ इतना होगा कि आसपास की जमीनें महंगी हो जाएंगी और कुछ शरीफ लोग जमीनों में फर्जीवाड़ा करने वालों के जाल में फंस जाएंगे।

ऐसा मानने के कई कारण हैं। पहला कारण तो यह है कि बिहार में हवाई जहाज पर चढ़ने वाले लोगों की संख्या बहुत कम है। पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से हर दिन नौ से 10 हजार लोग औसतन सफर करते हैं। राज्य के दूसरे सबसे बड़े एयरपोर्ट दरभंगा हवाईअड्डे से हर दिन दो से ढाई हजार लोग सफर करते हैं। सोचें, यह उत्तर बिहार का इकलौता एयरपोर्ट है। तिरहुत और सारण दोनों कमिश्नरी के अलावा कोशी का पूरा इलाके इसके दायरे में आता है। बिहार चुनाव से पहले पूर्णिया में हवाईअड्डा बना। वहां का रोज का ट्रैफिक पांच से सात सौ यात्रियों का है। वहां प्री फैब्रिकेटेड मैटेरियल से हवाईअड्डा बना हुआ है। दोनों हवाईअड्डों पर बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं।

पटना से दूसरी तरफ चलेंगे तो बिहटा में हवाईअड्डा बनने की बात बरसों से चल रही है तो गया का इंटरनेशनल एयरपोर्ट चल रहा है। गया जैसे शहर में, जहां पूरे दक्षिण बिहार का इकलौता हवाईअड्डा है और बोधगया, राजगीर जैसे टूरिस्ट प्लेस हैं, बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा तीर्थस्थल है और फिर भी गिनती की उड़ानें संचालित होती हैं। वहां कुल नौ सौ से एक हजार यात्री हर दिन सफर करते हैं। इस तरह राज्य में संचालित चार हवाईअड्डों से औसतन 13 से 14 हजार लोग हर दिन सफर करते हैं यानी महीने में चार लाख और साल में 50 लाख से कुछ कम।

इतना कम हवाई ट्रैफिक का कारण यह है कि बिहार में लोगों की आर्थिक स्थिति हवाई जहाज में उड़ने की नहीं है। दूसरी बात यह है बिहार में न तो कोई औद्योगिक गतिविधि है, न कारोबारी गतिविधि है, न शैक्षिक या सांस्कृतिक गतिविधि है फिर हवाई जहाज से कौन आएगा या जाएगा! क्या बिहार के नेता समझ रहे हैं कि हवाईअड्डा खुल जाएगा तो होली, दिवाली में या शादी के सीजन में ट्रेनों से लद कर जाने वाले लोग हवाई जहाज से जाने लगेंगे? ऊपर से यह बेहूदा दावा किया गया कि नवी मुंबई जैसा हवाईअड्डा बना देंगे। सोचें, नवी मुंबई पर पहले चरण में सालाना दो करोड़ यात्रियों को हैंडल करने की व्यवस्था है, जबकि बिहार के चार हवाईअड्डे पर दिन में औसतन 13 से 14 हजार और साल में 50 लाख से कम यात्री आते जाते हैं। कहां नवी मुंबई एयरपोर्ट पर पहले चरण में दो करोड़ और कहां पूरे बिहार में 50 लाख यात्री! इस हकीकत के बावजूद सोनपुर में एक और हवाईअड्डा बनाने की घोषणा हो गई। सोचें, बिहार में केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए नीतीश कुमार ने जमीन देने से मना कर दिया था। उपेंद्र कुशवाहा जब केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री थे तब उन्होंने कई केंद्रीय विद्यालय मंजूर कराए थे।

सुर्खियां बनाने की रणनीति

ज्यादा चर्चा गलगोटिया के गड़बड़झाले की ही हुई है, लेकिन बाकी अनेक निजी विश्वविद्यालयों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। उन्होंने भी वास्तविक अनुसंधान और आविष्कार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय चौंकाने वाली सुर्खियां बनाने की रणनीति अपना रखी है। एआई समिट के दौरान गलगोटिया विश्वविद्यालय को लेकर उठे विवाद का अच्छा असर यह है कि इससे भारत में प्राइवेट यूनिवर्सिटीज के रंग-ढंग पर लोगों का ध्यान गया है। हालांकि मीडिया और सोशल मीडिया पर ज्यादा चर्चा गलगोटिया के गड़बड़झाले की ही हुई है, लेकिन इस ओर भी ध्यान गया है कि बाकी अनेक निजी विश्वविद्यालयों की स्थिति भी बेहतर नहीं है। उन विश्वविद्यालयों ने भी वास्तविक अनुसंधान और आविष्कार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय बनावटी उपलब्धियों के जरिए चौंकाने वाली सुर्खियां बनाने की रणनीति अपना रखी है। बाजार में ये रणनीति दो लिहाज से कारगर रहती है। एक तो इससे दाखिले की दौड़ में शामिल छात्रों को लुभाने में कामयाबी मिलती है, दूसरे ये संस्थान सरकारी अनुदान का भी फायदा उठा ले जाते हैं।

इसी मकसद से पेटेंट अर्जियों की संख्या को उन्होंने पैमाना बनाया है। इसे बढ़ा-चढ़ा कर प्रचारित किया जाता है कि संस्थान ने कितनी ऐसी अर्जियां दाखिल कीं। जबकि उन अर्जियों का अंजाम क्या हुआ, इसे छिपा लिया जाता है। मसलन, 2020 से 2025 तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने 7,096 पेटेंट अर्जियां दाखिल कीं। मगर उनमें से सिर्फ 164 पर पेंटेट हासिल हुआ। मतलब 2.3 प्रतिशत अर्जियां ही सफल रहीं। कमोबेस यही हाल बाकी तमाम प्राइवेट यूनिवर्सटीज का भी है। अगर इनकी तुलना पहले से प्रतिष्ठित आईआईटी, एनआईटी या इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस जैसे सरकारी संस्थानों से की जाए, तो उनकी अर्जियों की संख्या काफी कम नजर आएगी, जबकि सफलता दर अतुलनीय रूप से ऊंची दिखेगी।

2020-25 की अवधि में इन तमाम संस्थानों की सफलता दर 40 प्रतिशत से ऊपर रही। जाहिर है, ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि उन संस्थानों में अर्जी परीक्षण की ठोस व्यवस्था है। बहरहाल, अगर प्राइवेट यूनिवर्सिटीज ने पेटेंट मिलने के बजाय अर्जी को उपलब्धि का पैमाना बनाया है, तो इसके लिए वे अकेले दोषी नहीं हैं। भारत सरकार ने 2021 में पेंटेट कानून में संशोधन कर अर्जी दाखिल करना आसान बना दिया था। संभवत: इसलिए कि नरेंद्र मोदी सरकार भी कुछ हासिल करने के बजाय इम्प्रेशन बनाने को अधिक अहमियत देती है। नतीजा, एआई समिट के दौरान हुई बदनामी है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई के इस्कॉन मंदिर में खेली गई फूलों की होली

भिलाई। सेक्टर-6 स्थित इस्कॉन मंदिर में इस बार होली का उत्सव खास अंदाज में मनाया गया। मंगलवार देर शाम मंदिर परिसर रंग, गुलाल और फूलों की खुशबू से महक उठा। श्रद्धालुओं को लगा जैसे वे मथुरा-वृंदावन के भक्ति माहौल में पहुंच गए हों। भक्तों ने जमकर होली खेली और भक्ति में डूबे नजर आए। यह आयोजन हरे कृष्ण फाउंडेशन (इस्कॉन) की ओर से किया गया। खासियत ब्रज परंपरा की फूलों वाली होली रही। श्रद्धालुओं ने एक दूसरे पर गुलाल लगाया। फूलों की बारिश भी की गई। मंदिर परिसर रंग-बिरंगे फूलों से सज गया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उत्साह से शामिल हुए।

राजपूत महासभा ने होनहारों का किया सम्मान

दुर्ग। राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ रहटादह की उपसमिति दुर्ग उत्तर की वार्षिक आम सभा और होली मिलन समारोह आर्शीवाद भवन जवाहर नगर दुर्ग में हुआ। महापौर अलका बाघमार बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। सचिव रोशन सिंह ने प्रतिवेदन वाचन किया। कोषाध्यक्ष भूपेश सिंह ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके बाद महिला मंडल ने खेलकूद का आयोजन किया। प्रतिभावान, विशिष्ट योग्यता वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। उपसमिति अध्यक्ष हरनारायण सिंह, पार्षद देव नारायण चंद्राकर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह, अशोक ठाकुर, सत्येन्द्र राजपूत, केंद्रीय महिला अध्यक्ष रश्मि सिंह ने भी विचार रखे। समारोह में पूर्व सचिव माधो सिंह, उपाध्यक्ष महेश नारायण सिंह, भूपेश सिंह, पीएस चंदेल उपस्थित रहे।

बीएसपी के राजहरा माइंस अस्पताल में 21वां एक दिवसीय व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के राजहरा माइंस चिकित्सालय में 2 मार्च को 21वां एक दिवसीय निःशुल्क व्यापक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के वरिष्ठ चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने स्थानीय समुदाय को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। एक दिवसीय शिविर में 600 से अधिक परामर्श प्रदान किए गए, विभिन्न नैदानिक जांच और उपचार के साथ 10 इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन तथा 05 प्लास्टर लगाए गए, जिससे स्थानीय समुदाय को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हुआ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ कौशलेन्द्र ठाकुर ने इस शिविर हेतु संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ विभाग की टीम का नेतृत्व किया। शिविर में डॉ. चंदन दास (कार्डियोलॉजी), डॉ. प्रमोद बिनायके (मेडिसिन), डॉ. रुचिर भटनागर (नेत्र रोग), डॉ. तनुजा आनंद (पेन मैनेजमेंट क्लिनिक), डॉ. इमैनुएल मैसी (अस्थि रोग), डॉ. कौशिक किशोर (पीडियाट्रिक), डॉ. प्राची मेने (ईएनटी), डॉ. प्रभदीप कौर (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डॉ. वनिता शर्मा (दंत रोग), डॉ. धीरज शर्मा (जनरल सर्जरी), डॉ. शशांक अग्रवाल (चर्म रोग), सुनीता साहू (जूनियर मैनेजर), विकास पांडे (फिजियोथेरेपी), डीएनबी डॉ. रेहान (अस्थि रोग), डीएनबी डॉ. अन्नपूर्णा (प्रसूति एवं स्त्री रोग), डीएनबी डॉ. अनुज पवार (नेत्र रोग), डीएनबी डॉ. कृतिका साहा (मेडिसिन), डीएनबी डॉ. प्रांशु (ईएनटी) तथा जूनियर एमटी कलोल मैती सहित जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसन्धान केंद्र, सेक्टर-9, भिलाई के सहायक अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

मरीजों को विभिन्न बीमारियों और चिकित्सा-स्वास्थ्य समस्याओं के लिए परामर्श, नैदानिक परीक्षण और उपचार प्रदान किए गए। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने पुरे दिन स्थानीय समुदाय को आवश्यक चिकित्सकीय सेवा प्रदान करने का समग्र प्रयास किया।

होली ड्यूटी पर मुस्तैद रही पुलिस : नशे में धुत्त युवती को सुरक्षित पहुंचाया घर, घायल को तत्काल पहुंचाया अस्पताल

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग-भिलाई। होली पर्व के अवसर पर शहर में सुरक्षित एवं सुचारू यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु यातायात पुलिस दुर्ग के अधिकारी एवं कर्मचारी विभिन्न चौक-चौराहों पर लगातार ड्यूटी कर रहे थे। ड्यूटी के दौरान दो अलग-अलग घटनाओं में यातायात पुलिस एवं ट्रैफिक मितान द्वारा त्वरित एवं मानवीय सहायता प्रदान की गई।

यातायात पुलिस के अधिकारी/कर्मचारियों को एक युवती सड़क किनारे भांग के नशे की स्थिति में गिरी हुई मिली। युवती की स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाकर देखभाल की गई तथा नशा कम होने पर उसके परिजनों से संपर्क स्थापित कर सकुशल उनके सुपुर्द किया गया।

इसी प्रकार ट्रैफिक मितान गिवेंद्र मिश्रा, निवासी सुपेला द्वारा पावर हाउस से सुपेला मार्ग पर मजार के पास एक सड़क दुर्घटना में घायल हुए मोटरसाइकिल सवार परिवार को देखा, जिन्हें एक अज्ञात कार चालक द्वारा पीछे से टक्कर मारकर गिरा दिया गया था। ट्रैफिक मितान द्वारा तत्काल यातायात पुलिस के सहयोग से घायलों को पुलिस वाहन के माध्यम से शासकीय अस्पताल सुपेला पहुंचाया गया, जिससे उन्हें समय पर उपचार उपलब्ध हो सका।

सराहनीय कार्य :

उक्त कार्यवाही में यातायात पुलिस दुर्ग के ड्यूटी पर तैनात अधिकारी/कर्मचारियों तथा ट्रैफिक मितान गिवेंद्र मिश्रा, निवासी सुपेला की सराहनीय भूमिका रही, जिन्होंने तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए घायलों की सहायता सुनिश्चित की।

दुर्ग पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों की सहायता के लिए आगे आएं तथा यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

वेंटीलेटर युक्त एंबुलेंस लेकर विधायक रिकेश ने 37 वार्डों में किया होली गश्त

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने होली पर जनसेवा की एक नई मिसाल पेश की। विधायक ने स्वयं वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस की कमान संभाली और क्षेत्र के सभी 37 वार्डों में निरंतर गश्त की। रिकेश सेन ने वीआईपी कल्चर को किनारे रख खुद एंबुलेंस चलाई। गश्त के दौरान माइक से जनता से संवाद भी किया। ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की। ट्रिपल राइडिंग करने वाले और बिना हेलमेट चलने वालों को हिदायतें दीं। रिकेश सेन ने कहा कि मेरी होली तभी 'हैप्पी' होगी, जब क्षेत्र से किसी भी बड़ी दुर्घटना या अप्रिय घटना की खबर न आए। एक जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल सड़क और नाली बनवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने क्षेत्र की शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उसकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

एचएमएम क्यूरेटेड मॉड्यूल्स पूरा करने वाले टॉप 10 लर्नर्स सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के इस्पात भवन में आयोजित सम्मान समारोह में वर्ष 2024-25 के लिए एचएमएम क्यूरेटेड मॉड्यूल्स के टॉप 10 लर्नर्स को मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा सम्मानित किया गया।

एचएमएम क्यूरेटेड मॉड्यूल्स एक सुव्यवस्थित एवं स्व-गति आधारित शिक्षण मंच है, जो अधिकारियों की प्रबंधकीय, तकनीकी तथा व्यवहारिक क्षमताओं के विकास में सहायक सिद्ध हो रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान बीएमडीसी में इस पहल के तहत पाँच हैंडहोल्डिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। 108 नामांकित अधिकारियों में से 98 अधिकारियों ने सफलतापूर्वक एचएमएम मॉड्यूल पूर्ण किया, जो 91 प्रतिशत की उल्लेखनीय उपलब्धि है।

श्री पवन कुमार ने अधिकारियों की सीखने के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आधुनिक लर्निंग प्लेटफॉर्म अधिकारियों की पेशेवर दक्षता को विकसित करने के साथ-साथ संगठनात्मक कार्यकुशलता को भी सुदृढ़ करते हैं। 2025-26 के लिए 316 अधिकारियों को एचएमएम लाइसेंस प्रदान किए गए हैं। सम्मानित टॉप 10 लर्नर्स में शामिल हैं: महाप्रबंधक (टाउन सर्विसेज) एबी श्रीनिवास, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) अमृता गंगराडे, महाप्रबंधक (ओएचपी) संजय कुमार शर्मा, महाप्रबंधक (सतर्कता) दीप्ति राज, महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) सांतनु मित्रा, महाप्रबंधक मोहम्मद अशरफ सिद्दीकी, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स) सुमन मित्रा, उप महाप्रबंधक (एस.पी.-2) मनीष मिश्रा, महाप्रबंधक (आरसीएल) एस. मुखोपाध्याय तथा उप महाप्रबंधक (एसएमएस-3) रविश कुमार श्रीवास्तव।

ड्यूटी के बाद कंट्रोल-रूम परिसर में पुलिस कर्मियों ने अधिकारियों संग हर्षोल्लास पूर्वक खेली होली

श्रीकंचनपथ समाचार

- संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भी हुए शामिल
- आपसी सौहार्द, समन्वय एवं सकारात्मक कार्य वातावरण को प्रोत्साहित करने हेतु आयोजन

दुर्ग-भिलाई। पुलिस कंट्रोल रूम परिसर सेक्टर-06 भिलाई में पुलिस होली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संभाग कमिश्नर, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में जिले के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आपसी सौहार्द एवं भाईचारे के साथ एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस बल के मध्य आपसी समन्वय, सकारात्मक कार्य वातावरण एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करना रहा।

दुर्ग पुलिस की अपील : दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि होली पर्व को शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ मनाएं तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।

अंतर इस्पात संयंत्र कबड्डी हेतु चयन स्पर्धा आयोजित

भिलाई। दुर्गापुर स्टील प्लांट द्वारा दुर्गापुर में एसपीएसबी अंतर इस्पात संयंत्र कबड्डी प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन दिनांक 12 से 14 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु बीएसपी की टीम का चयन 7 मार्च को सायं 05:30 बजे से कबड्डी ग्राउंड, पंत स्टेडियम, सेक्टर-1 में किया जाएगा। भिलाई इस्पात संयंत्र के कार्मिक, उनके परिवारजन और भिलाई परिधीय क्षेत्र के बेरोजगार युवा खिलाड़ी इस चयन स्पर्धा में भाग ले सकते हैं। इच्छुक खिलाड़ी कबड्डी ग्राउंड में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं, विकास (9424126209), रणधीर (9996420057) तथा पुरुषोत्तम (8602203054)। चयन स्पर्धा के प्रभारी अभिजीत भौमिक रहेंगे।

डायरेक्टर इंचार्ज ट्रॉफी की विजेता टीमों का सम्मान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिता डायरेक्टर इंचार्ज ट्रॉफी 2025-26 में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की टीमों को इस्पात भवन में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र द्वारा सम्मानित किया गया।

डीआईटी 2025-26 में डीजीएम अरिंदम कर, वरिष्ठ प्रबंधक अनुप कुमार सिंह एवं के. पवन कुमार की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर मार्च में रांची में आयोजित सेल-स्तरीय अंतिम प्रतियोगिता में बीएसपी का प्रतिनिधित्व करने की पात्रता हासिल कर ली है।

साथ ही इस प्रतियोगिता में वरिष्ठ प्रबंधक चेतन अशोक फुटाणे, फिलोमिना एक्का, उप प्रबंधक शालिनी चौरसिया की टीम ने प्रथम उपविजेता तथा वरिष्ठ प्रबंधक भावनीत कृष्णा, वरिष्ठ प्रबंधक हिमांशु वर्मा, सहायक महाप्रबंधक अजय नाथ पिल्लई की टीम ने द्वितीय उपविजेता का खिताब अपने नाम किया।

वर्किंग टुगेदर एस वन सेल : कोलैबोरेट, परफॉर्म एंड एक्सेल विषय पर युवा प्रबंधकों के लिए आयोजित निदेशक प्रभारी ट्रॉफी 2025-26 के विजेताओं को भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र और कार्यपालक निदेशकों ने बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया। इस वर्ष आयोजित संयंत्र स्तरीय प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया।

जारी वित्त वर्ष में अप्रैल से फरवरी के बीच बीएसपी ने रचा नया उत्पादन कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 अवधि के दौरान उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं।

इस अवधि में ब्लास्ट फर्नेस-8 ने 26,00,252 टन हॉट मेटल का उत्पादन कर पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार किया। वहीं कुल हॉट मेटल उत्पादन 54,81,796 टन दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 के समान अवधि में दर्ज 54,40,432 टन से अधिक है।

प्लेट मिल ने एचटी प्लेट्स का 2,56,555 टन उत्पादन किया। इस अवधि में ओर हैंडलिंग प्लांट ने 2,19,78,114 टन मटेरियल हैंडलिंग किया। साथ ही कुल सिंटर उत्पादन 80,46,038 टन दर्ज किया। बार रॉड मिल ने भी 9,61,363 टन रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया।

प्राइम रेल उत्पादन में वित्त वर्ष 2019-20 के रिकॉर्ड को पार करते हुए 11,98,122 टन प्राइम रेल उत्पादन दर्ज किया। लाँग रेल उत्पादन में वृद्धि दर्ज करते हुए 1,65,364 टन उत्पादन किया।

मॉडेक्स इकाई, यूआरएम ने इस अवधि में 8,67,981 टन फिनिश्ड रेल, 8,33,419 टन प्राइम रेल तथा 8,02,228 टन लाँग रेल उत्पादन रिकॉर्ड दर्ज कर पिछले रिकार्ड को ध्वस्त किया।

सभी फिनिशिंग मिलों ने मिलकर इस अवधि के दौरान कुल 43,81,903 टन फिनिश्ड स्टील उत्पादन किया जो वर्ष 2024-25 में दर्ज 42,84,351 टन से अधिक है। 49,38,920 टन सेलेबल स्टील उत्पादन कर नया रिकार्ड बनाया।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

सक्ती से बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायतों के दावा-आपत्ति 9 तक

सक्ती। राज्य शासन द्वारा बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए जारी रणनीति एवं कार्ययोजना के तहत जिला सक्ती में कई ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित कर प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। जला सक्ती के अंतर्गत डभरा विकासखंड की 90, मालखरौदा विकासखंड की 69 तथा सक्ती विकासखंड की 25 ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त कर प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। सभी ग्राम पंचायतों के नाम जिला प्रशासन की वेबसाइट एवं एनआईसी में अपलोड कर दिए गए हैं। जारी सूची पर यदि किसी को दावा-आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह 09 मार्च 2026 तक अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है।

पीएम किसान योजना के लाभ से 21 हजार हो सकते हैं वंचित

सक्ती। जिले के लगभग 21 हजार किसान अब तक एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन नहीं करा सके हैं। इसका सीधा असर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभ पर पड़ सकता है। एग्रीस्टैक में पंजीयन नहीं होने की स्थिति में किसानों को मिलने वाली सालाना 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता से वंचित होना पड़ सकता है। जिले में 80 हजार से अधिक सक्रिय किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से 60 हजार से ज्यादा किसान एग्रीस्टैक पोर्टल में अपना पंजीयन करा चुके हैं। इसके बावजूद बड़ी संख्या में किसान अभी भी इस प्रक्रिया से बाहर हैं। एग्रीस्टैक के माध्यम से प्रत्येक किसान की डिजिटल प्रोफाइल तैयार की जाती है, जिसमें जमीन, फसल, बैंक खाता और आधार से जुड़ी जानकारी एकीकृत रहती है। इससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे किसानों के बैंक खाते में भेजा जा सकता है तथा फर्जी या डुप्लीकेट लाभार्थियों की पहचान करना भी आसान हो जाता है। योजना का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। एग्रीस्टैक और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पंजीयन से संबंधित जानकारी के लिए किसान अपने क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, विकासखंड कार्यालय या नजदीकी सीएससी केंद्र से संपर्क कर सकते हैं।

अचानतमार टाइगर रिजर्व पहुंचे राज्यपाल डेका, जनजातीय कला एवं प्राकृतिक सौंदर्य को सराहा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने मुंगेली जिले के प्रसिद्ध अचानकमार टाइगर रिजर्व का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने जंगल सफारी का आनंद लिया और वनांचल की प्राकृतिक सुंदरता की सराहना की। उन्होंने प्राकृतिक वातावरण में वन्य जीव के संरक्षण को प्रोत्साहित किया।

राज्यपाल ने आदिवासी अंचल की महिलाओं द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बैगा और गोंड जनजाति की पारंपरिक ट्राइबल पेंटिंग्स तथा स्थानीय हस्तशिल्प को विशेष रूप से सराहा।

राज्यपाल श्री डेका ने सिहावल क्षेत्र में वन्य प्राणी संरक्षण को और मजबूत करने के लिए आवश्यक सुविधाएं बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जंगली हाथियों के प्रशिक्षण एवं प्रबंधन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

इस दौरान डीडी एटीआर ने बताया कि यह क्षेत्र हिरण, हाथी, टाइगर सहित कई वन्य प्राणियों के विचरण का प्रमुख क्षेत्र है। गौरतलब है कि मुंगेली जिले का सिहावल क्षेत्र मनियारी नदी का उद्गम स्थल भी माना जाता है।

बैगा व गोंड जनजाति की ट्राइबल पेंटिंग्स तथा स्थानीय हस्तशिल्प की सराहना

कलेक्टर मुंगेली कुन्दन कुमार द्वारा राज्यपाल को जनजातीय कला पर आधारित स्मृति चिन्ह एवं प्राकृतिक कोसे से निर्मित शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर फील्ड डायरेक्टर अभिषेक सिंह, एडीसी ओम भविष्यकर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, डीडी एटीआर, यू आर गणेशन, सीईओ जिला पंचायत प्रभाकर पांडेय सहित, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण, फूड एवं राजस्व सहित अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीर्घकालिक विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा राज्य नीति आयोग : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज नवा रायपुर स्थित नीति भवन में छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा के पदभार ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने उन्हें इस दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य नीति आयोग प्रदेश के दीर्घकालिक विकास विज़न, साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय के माध्यम से छत्तीसगढ़ के विकास को नई दिशा और गति देने वाला एक महत्वपूर्ण संस्थान है। उन्होंने कहा कि भविष्य की जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विकास की योजनाएँ और रणनीतियाँ तैयार करने में आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी दृष्टि को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ में भी छत्तीसगढ़ विज़न डॉक्युमेंट 2047 तैयार किया गया है, जिससे प्रदेश के समग्र और दीर्घकालिक विकास की रूपरेखा तय की जा रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग के गठन का निर्णय दूरदर्शी सोच का परिणाम था। आज नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी जिलों का कार्यक्रम देश के पिछड़े क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिलों में भी देखने को मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नीति आयोग की विशेषता यह है कि यह क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नीति और योजना निर्माण को बढ़ावा देता है।

इसी सोच के साथ राज्यों में भी राज्य नीति आयोग का गठन किया गया है, जो विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ प्रदेश में विकास को नई गति देने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गणेश शंकर मिश्रा के प्रशासनिक अनुभव से राज्य नीति आयोग को नई दिशा और गति मिलेगी। आयोग की ओर से प्राप्त अच्छे सुझावों को राज्य सरकार गंभीरता से लेकर प्रभावी ढंग से लागू करने का प्रयास करेगी।

राज्य नीति आयोग के नवनियुक्त उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर और भविष्योन्मुखी नीतियों के माध्यम से छत्तीसगढ़ को अधिक समृद्ध और विकसित बनाने की दिशा में सभी के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक लता उसेंडी, विधायक अमर अग्रवाल, महापौर धमतरी रामू रोहरा, राज्य नीति आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रह्मण्यम, सदस्य सचिव आशीष भट्ट, सचिव भुवनेश यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने मां महामाया से मांगा प्रदेश की खुशहाली का आशीर्वाद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज रतनपुर पहुंचकर माँ महामाया मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। उन्होंने माँ महामाया से छत्तीसगढ़ की सुख-समृद्धि, खुशहाली और प्रदेशवासियों के कल्याण की कामना कर आशीर्वाद लिया।

मंदिर परिसर में राज्यपाल का मंदिर समिति के पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने आत्मीय स्वागत किया।

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष लवकुश कश्यप, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, सहित मोहित जायसवाल एवं माँ महामाया मंदिर समिति के पदाधिकारियों मौजूद थे।

राज बिहान रसोई से आत्मनिर्भर बनीं महिलाएं, बना छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर राजनांदगांव जिले की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं। हुनर, मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर वे न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि समाज में अपनी अलग पहचान भी बना रही हैं। जिले में संचालित राज बिहान रसोई आज छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लोकप्रिय ठिकाना बन चुका है।

इस रसोई का संचालन प्रतिज्ञा महिला स्व-सहायता समूह की लखपति दीदी ज्ञानेश्वरी निषाद कर रही हैं। वे बताती हैं कि जब उन्होंने छोटे स्तर पर इस काम की शुरुआत की थी, तब यह नहीं सोचा था कि यह व्यवसाय इतना आगे बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि यदि महिलाएं ठान लें तो कोई भी कार्य कठिन नहीं होता।

कलेक्टोरेट परिसर में संचालित राज बिहान रसोई में चीला, बड़ा, फरा, चौसेला, मुगोड़ी, साबुदाना बड़ा, अइरसा, ठेठरी, खुर्मी और बालुशाही जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन उपलब्ध हैं। स्वादिष्ट पकवानों के कारण यहां लगातार ऑर्डर मिल रहे हैं और मासिक आय लगभग 35 से 40 हजार रुपये तक पहुंच गई है।

ज्ञानेश्वरी बताती हैं कि पहले वे खेती-किसानी में परिवार की मदद करती थीं और आर्थिक स्थिति कमजोर थी। बाद में उन्होंने सामाजिक आयोजनों में भोजन बनाने का काम शुरू किया और बढ़ते ऑर्डर के बाद बिहान से ऋण लेकर राज बिहान रसोई की शुरुआत की।

आज उनकी टीम की सभी महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। बिहान मिशन के सहयोग से उन्हें विभिन्न मेलों में भी अवसर मिला। गुरुग्राम, दिल्ली, कोलकाता, केरल, रायपुर और भिलाई के सरस मेलों में कैटरिंग कार्य कर उनकी टीम ने हर मेले में एक लाख रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ अर्जित किया। आज राज बिहान रसोई महिलाओं की मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता की मिसाल बन चुकी है।

बिहान ने बदली रत्ना की तकदीर, ड्रिप तकनीक से साल भर हो रही फूलों की खेती, बन रहीं आत्मनिर्भर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की 'बिहान' (छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत डिगमा की निवासी श्रीमती रत्ना मजुमदार इसकी प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई हैं। उन्होंने मेहनत और आधुनिक तकनीक के सहारे फूलों की खेती को सफल व्यवसाय में बदल दिया है।

रत्ना बताती हैं कि उनके ससुर पारंपरिक रूप से छोटे स्तर पर फूलों की खेती करते थे। स्व-सहायता समूह 'माँ महामाया समूह' से जुड़ने के बाद उन्होंने इस कार्य को व्यावसायिक रूप देने का निर्णय लिया। समूह के माध्यम से उन्हें एक लाख रुपये का ऋण मिला, जिससे उन्होंने एक एकड़ में आधुनिक पद्धति से फूलों की खेती शुरू की। आज उनकी खेती दो एकड़ तक फैल चुकी है।

रत्ना ने खेती में ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) जैसी आधुनिक तकनीक अपनाई है। उन्होंने बताया कि उन्नत किस्म के पौधे कोलकाता से मंगाए जाते हैं, जो लगभग 24 दिनों में फूल देना शुरू कर देते हैं और तीन महीने तक उत्पादन देते हैं।

वर्तमान में वे गेंदा फूल की लाल, नारंगी और पीली किस्मों की खेती कर रही हैं, वहीं सर्दियों में चेरी की खेती भी करती हैं। नवरात्रि, शिवरात्रि, रामनवमी और दीपावली जैसे त्योहारों में फूलों की मांग बढ़ने से उन्हें अच्छा लाभ मिलता है।

उन्होंने समूह से लिया ऋण समय पर चुका दिया है और अब होने वाले मुनाफे को खेती के विस्तार में लगा रही हैं।

रत्ना अपनी सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को देते हुए कहती हैं कि बिहान से जुड़कर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। आज वे न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही हैं, बल्कि समाज में नई पहचान भी बना रही हैं।

बैगा व बिरहोर आदिवासियों की संस्कृति को सहेजे जाने की जरूरत : राज्यपाल डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने बैगा-बिरहोर आदिवासियों से कहा कि अपनी समृद्ध, पारंपरिक संस्कृति को सहेजने के लिए स्थानीय भाषाओं, लोकगीतों, कलाओं और रीति-रिवाजों को संरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने समृद्ध संस्कृति ओर परंपरा को सहेजकर रखने का आग्रह करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ते हुए भी अपनी परंपराओं को विलुप्त न होने दें।

राज्यपाल रमेन डेका अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान कोटा विकासखंड के शिवतराई पहुंचकर बैगा और बिरहोर आदिवासियों से शासन की योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी ली। राज्यपाल ने कहा कि बैगा और बिरहोर समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराएं उनकी पहचान हैं।

राज्यपाल श्री डेका ने लखपति दीदी श्रीमती प्रमिला बैगा से चर्चा की। उन्होंने बताया कि वे गोंदा स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। समूह की श्रीमती रश्मि मरावी ने बताया कि उनके समूह द्वारा सिलाई-मशीन का काम, अचार-पापड़ निर्माण सहित अन्य आजीविका गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बैगा महिलाओं द्वारा बांस से विभिन्न उपयोगी उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं।

आर्चरी के खिलाड़ियों को 5-5 हजार देने की घोषणा

इस अवसर पर राज्यपाल ने आर्चरी के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए प्रत्येक खिलाड़ी को 5-5 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने खिलाड़ियों को लोकभवन रायपुर आने का निमंत्रण दिया तथा कलेक्टर को उनके आवागमन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने आयुष्मान कार्ड, महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास

योजना (ग्रामीण), राशन की उपलब्धता, पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ली। औरापानी की श्रीमती मंगली ने बताया कि उन्हें आवास योजना का लाभ मिला है। शिवतराई की श्रीमती ममता खुसरो ने बताया कि उन्हें आयुष्मान कार्ड के साथ महतारी वंदन योजना का भी लाभ मिल रहा है। उन्होंने आयुष्मान कार्ड से अपना अल्सर का ऑपरेशन भी कराया है।

इस अवसर पर बैगा समाज के प्रमुख लुमन सिंह बैगा ने पलाश के फूलों की माला पहनाकर राज्यपाल का स्वागत किया तथा बैगा महिलाओं ने खुमरी पहनाकर उनका पारंपरिक स्वागत किया। कार्यक्रम में एसएसपी श्री रजनेश सिंह, सीसीएफ श्री मनोज पांडे, एडीएम श्री शिव कुमार बनर्जी सहित बड़ी संख्या में बैगा आदिवासी समाज के लोग, स्थानीय जनप्रतिनिधि, ग्रामीणजन और अधिकारी - कर्मचारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने निर्देश दिए कि पीएम जनमन योजना का अधिक से अधिक लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जाए तथा नियमित रूप से मेडिकल कैंप लगाए जाएं। उन्होंने टीबी मरीजों के पोषण के लिए उन्हें गोद लेने की पहल को भी प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि यदि किसी को मोतियाबिंद की समस्या है, तो वे एम्स आ सकते हैं, वहां उनके ठहरने की व्यवस्था भी की जाएगी। राज्यपाल ने बैगा समाज के लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दीं और उन्हें उपहार भी प्रदान किया।

जनमन योजना के तहत 265 आवास स्वीकृत

राज्यपाल ने कहा कि बांस के उत्पाद और पारंपरिक गहने बनाना सिखाने के लिए प्रशिक्षक की भी व्यवस्था की जाएगी। राज्यपाल ने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने पर भी जोर दिया। इस दौरान सरपंच ने बताया कि यहां पीएम जनमन योजना के तहत 265 आवास स्वीकृत हुए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने बताया कि जिले में पीवीटीजी समुदाय के लगभग 6400 लोग 54 बसाहटों में निवासरत हैं।

पीएम जनमन योजना के तहत लगभग 900 आवास स्वीकृत किए गए हैं तथा 21 सड़कों का निर्माण किया गया है। टाटीधार में बहुद्देशीय केंद्र बनाया गया है। पीवीटीजी बसाहटों में 3 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण और दवाईयां नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

सेमीफाइनल में भारत का सपोर्ट करने पहुंचे सेलेब्स, रणबीर आलिया, अनिल समेत वानखेड़े में नजर आए कई सेलेब्स

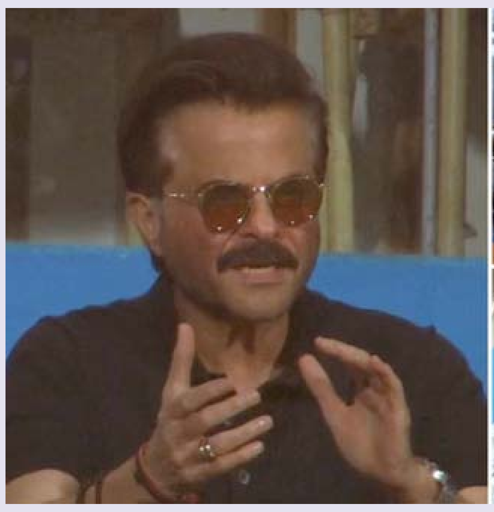

बॉलीवुड एक्टर आलिया भट्ट और रणबीर कपूर गुरुवार को अपनी बेटी राहा कपूर के साथ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत-इंग्लैंड ञ्ज20 सेमीफाइनल देखने पहुंचे। मैच के दौरान परिवार की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें राहा रणबीर-आलिया के साथ टीम इंडिया के लिए चीयर करती नजर आईं।

रणबीर–आलिया के अलावा मैच में कई सेलेब्स भी स्टेडियम में मौजूद थे। एक्टर वरुण धवन, तृप्ति डिमरी और अनिल कपूर को भी स्टेडियम में देखा गया। एक्टर अहान शेट्टी अपने जीजा और क्रिकेटर के.एल. राहुल के साथ मैच देखते नजर आए। वहीं भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ मैच देखने पहुंचे, जबकि रोहित शर्मा अपनी पत्नी रितिका सजदेह के साथ मौजूद थे।

रणबीर कपूर-आलिया और राहा

रणबीर कपूर अपनी पत्नी आलिया भट्ट और बेटी राहा कपूर के साथ इंग्लैंड 1द्य भारत का टी20 वर्ल्ड कप के सेमी फाइनल मैच देखने पहुंचे। इस दौरान रणबीर भारत का हौसला बढ़ाते और चीयर अप करते नजर आ रहे हैं।

अनिल और वरुण भी आए नजर

अनिल कपूर और वरुण धवन भी वानखेड़े स्टेडियम में भारत का हौसला बढ़ाते नजर आए। इन सेलेब्स को भारत को चीयर अप करते देखा गया। कई तस्वीरों में अनिल और वरुण भारत के लिए तालियां बजाते नजर आए।

कई सेलेब्स आए नजर

टी20 वर्ल्ड कप के सेमी फाइनल मैच में भारत और इंग्लैंड का मैच देखने के लिए कई सेलेब्स शामिल हुए। ऋतिक रोशन, अभिषेक बच्चन, अंबानी फैमिली, एमएस धोनी के अलावा रोहित शर्मा भी नजर आए।

भारी तनाव के बाद प्रीति जिंटा ने परिवार के साथ मनाई होली पोस्ट कर जताई खुशी; फॉलोअर्स को भेजा 'लव एंड लाइट'

प्रीति जिंटा ने बताया कि विदेश से लौटते समय उनका सफर काफी तनावभरा रहा, खासकर मौजूदा पश्चिम एशिया के संघर्ष के बीच। हालांकि मुंबई सुरक्षित लौटने के बाद उन्होंने राहत महसूस की और अपने परिवार और दोस्तों के साथ होली का त्योहार मनाया।

प्रीति जिंटा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपनी होली सेलिब्रेशन की कई तस्वीरें भी पोस्ट कीं। तस्वीरों में वह अपने करीबियों के साथ रंगों के बीच खुश नजर आ रही हैं। लंबे और थकाने वाले सफर के बाद घर लौटकर त्योहार मनाते हुए उनके चेहरे पर सुकून और खुशी साफदिखाई दे रही थी।

अपने पोस्ट के कैप्शन में प्रीति ने लिखा कि वह दुनिया के दूसरे छोर से एक बहुत तनावभरी यात्रा के बाद मुंबई सुरक्षित लौटने के लिए बेहद आभारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि वह सुरक्षित घर पहुंचकर अपनों के साथ होली मना सकीं। साथ ही उन्होंने दुनिया भर में मुश्किल हालात का सामना कर रहे लोगों के लिए प्रार्थना भी की।

फॉलोअर्स को भेजा 'लव एंड लाइट'

प्रीति ने लिखा कि पिछले कुछ हफ्ते दुनिया भर के लोगों के लिए काफी कठिन रहे हैं और उनका दिल उन लोगों के लिए दुआ करता है जो अपने परिवार से दूर हैं या जिन्हें सुरक्षा, खाना, प्यार और सहारे की जरूरत है। उन्होंने ईश्वर से सभी की रक्षा करने की प्रार्थना की और सभी भारतीयों व होली मनाने वाले लोगों को शुभकामनाएं देते हुए अपने फॉलोअर्स को 'लव एंड लाइट' भेजा।

वर्क फ्रंट

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रीति जिंटा जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। वह आने वाली पीरियड ड्रामा फिल्म 'लाहोर 1947' में नजर आएंगी, जो 13 अगस्त को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसे आमिर खान प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में सनी देओल, शबाना आजमी, अली फजल, अभिमन्यू सिंह और करण देओल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

होली में भांग का हो गया है नशा? जानिए इसके खतरनाक साइड-इफेक्ट्स और हैंगओवर उतारने के तरीके

रंग-पकवान और उमंग-उत्साह के पर्व होली की देशभर में धूम देखी जा रही है। गुझिया-पकवान इस त्योहार को खास बना देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, होली के आनंद के दौरान हमें अपनी सेहत को लेकर भी सतर्क रहने की जरूरत होती है।

खान–पान से लेकर, रंग गुलाल खेलने तक होली के दौरान हर कदम पर सावधानी जरूरी है। होली में लोग अक्सर भांग का सेवन कर लेते हैं। भांग वैसे तो देश के कई हिस्सों में पारंपरिक पेय भी है, हालांकि इसका सेवन सेहत के लिए कई मामलों में नुकसानदायक हो सकता है। होली के बाद भांग के हैंगओवर के मामले बढ़ जाते हैं। आइए जानते हैं कि भांग के क्या नुकसान हो सकते हैं और अगर किसी को भांग का हैंगओवर हो जाए तो इसे कैसे ठीक किया जाए?

पहले जान लीजिए भांग होता क्या है?

भांग कैनाबिस पौधे की पत्तियों और फूलों से बनाई जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि इसमें टेट्राहाइड्रोकैनाबिनॉल नामक तत्व होता है। यही दिमाग पर असर डालता है और नशे की स्थिति पैदा करता है।

भांग पीने के क्या नुकसान हैं?

- मेडिकल अध्ययनों से पता चलता है कि भांग में मौजूद टेट्राहाइड्रोकैनाबिनॉल का सीधे दिमाग के रिसेप्टर्स पर असर होता है। इसके अधिक सेवन से व्यक्ति को अत्यधिक नींद, भ्रम, चिंता, घबराहट और पैनिक अटैक तक हो सकता है।
- भांग के नशे के कारण दिल की धड़कन तेज होने का खतरा रहता है और ब्लड प्रेशर भी बढ़ सकता है।
- जिन लोगों को पहले से हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या या हाई बीपी है, उनके लिए यह ज्यादा जोखिम भरा हो सकता है।
- जो लोग अक्सर भांग पीते हैं, उनमें याददाश्त, ध्यान केंद्रित करने में दिक्कत और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं।
- होली के दौरान अक्सर लोग उत्साह में इसकी मात्रा का अंदाजा नहीं लगा पाते और नशा ज्यादा चढ़ जाता है।
- भांग के नशे के कारण घबराहट, चक्कर आने, उलझन, धड़कन तेज होने या उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

भांग का नशा चढ़ जाए तो क्या करें?

- स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, होली के दौरान अगर किसी को भांग का नशा चढ़ जाए इसे कुछ उपायों से ठीक किया जा सकता है।
- व्यक्ति को शांत और सुरक्षित जगह पर ले जाएं। उसे पर्याप्त पानी पिलाएं ताकि शरीर हाइड्रेट रहे।
- गहरी और धीमी सांस लेने की सलाह दें ताकि घबराहट कम हो।
- विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट वाले पेय पदार्थ शरीर से नशे को कम करने में मदद करते हैं।
- व्यक्ति को दही और छाछ पिलाएं। इससे हाइड्रेशन होता है और पाचन में भी सुधार होता है।
- भांग का असर समय के साथ अपने आप कम होता है, आमतौर पर 3 से 6 घंटे में असर घटने लगता है।
- पर्याप्त आराम, पानी और हल्का भोजन सबसे बेहतर उपाय हैं।
- अगर उल्टी, बेहोशी, सीने में दर्द, बहुत तेज धड़कन या असामान्य व्यवहार दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें या नजदीकी अस्पताल ले जाएं।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' में होगा शाहरुख खान का कैमियो, मोहनलाल के स्टाइलिस्ट ने किया बड़ा खुलासा

पहले भी शाहरुख खान की फिल्म 'रा.वन' में रजनीकांत के मशहूर किरदार चिट्टी का कैमियो दिखाया गया था, लेकिन बाद में अभिनेता सुरेश मेनन ने बताया था कि उस सीन में खुद रजनीकांत मौजूद नहीं थे। वहीं रोहित शेट्टी की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' के गाने लुंगी डांस में भी रजनीकांत को ट्रिब्यूट दिया गया था। लेकिन अब खबरें आ रही हैं कि जेलर 2 में दोनों साथ में नजर आ सकते हैं।

खबरें है कि निर्देशक नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म 'जेलर 2' में दोनों स्टार्स एक साथ दिखाई देंगे। यह जानकारी अभिनेता मोहनलाल के स्टाइलिस्ट जिहाद शमसुद्दीन के इंस्टाग्राम स्टोरी से सामने आई, जिसके बाद फैंस के बीच एक्साइटमेंट और चर्चा तेज हो गई है। हालांकि फिल्म के मेकर्स की ओर से अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। लेकिन फैंस के बीच इस खबर की वजह से एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

क्यों हुई चर्चाएं तेज

दरअसल, जिशाद ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक एआई से बनी तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्रे–हेयर लुक में शाहरुख खान कार चलाते नजर आ रहे हैं, उनके साथ आगे की सीट पर मोहनलाल बैठे हैं, जबकि पीछे की सीट पर रजनीकांत और शिव राजकुमार दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के कैप्शन में लिखा था कि फैंस 'जेलर 2' में ऐसा फ्रेम देखने का इंतजार कर रहे हैं। इस पोस्ट को री–शेयर करते हुए जिशाद ने लिखा, 'कंदिप्पा इरुक्कुम यानी (पक्का होगा)', जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि फिल्म में इन सभी स्टार्स का एक साथ सीन हो सकता है।

बता दें कि मोहनलाल ने 2023 की हिट फिल्म जेलर में रजनीकांत के किरदार मुथुवेल पांडियन आईपीएस (टाइगर) के दोस्त मैथ्यू के रूप में कैमियो किया था और वह सीक्वल में भी वापसी करेंगे। अगर खबर सही साबित होती है, तो शाहरुख खान और रजनीकांत का यह पहला ऑन–स्क्रीन साथ होगा। फिलहाल शाहरुख खान मि किंग की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ऑस्कर सेरेमनी में प्रियंका करेंगी बड़ा काम

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दिन पर दिन कुछ नया करने के लिए सुर्खियों रहती हैं। अब वह दुनिया के सबसे बड़े अवॉर्ड सेरेमनी, ऑस्कर के प्रेजेंटर्स की लिस्ट में शामिल हो गई हैं! गुरुवार को एकेडमी ने उन स्टार्स के नामों की घोषणा की जो 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स सेरेमनी में प्रेजेंट करेंगे। इसमें प्रियंका चोपड़ा का भी नाम है।

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह अनाउंसमेंट शेयर किया। इसमें दूसरे नंबर पर प्रियंका चोपड़ा का नाम है। अभिनेत्री ने इसके कैप्शन में लिखा है '2026 एकेडमी अवॉर्ड्स।' उनकी पोस्ट को कई लोग लाइक कर रहे हैं। इस पर जाकिर खान, नम्रता शिरोडकर और करण सिंह जैसे कलाकारों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

पहले भी रह चुकीं प्रेजेंटर

प्रियंका चोपड़ा पहले 2016 की सेरेमनी में ऑस्कर प्रेजेंट कर चुकी हैं। बॉलीवुड स्टार दीपिका पादुकोण ने भी 2023 की सेरेमनी में ऑस्कर प्रेजेंट किया था। इसी साल ' क्रक्र' के गाने 'नाटू नाटू' ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का अवॉर्ड जीता था। प्रियंका पहले भी गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स और प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स में प्रेजेंट कर चुकी हैं।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा हाल ही में फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं। यह अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं।

वसंत ऋतु में ऐसे सजाएं अपनी बगिया, हर कोना महकेगा रंग-बिरंगे फूलों से

वसंत ऋतु का आगमन होते ही मौसम में एक नई ताजगी घुल जाती है। पेड़ों पर नई कोपलें आती हैं, खेत सरसों के पीले फूलों से चमक उठते हैं और हर घर की बगिया रंग–बिरंगे फूलों और खुशबुओं से भरने लगती है। यही कारण है कि वसंत को ऋतुराज कहा जाता है। ऐसे में अगर आप सही फूलों का चुनाव और उनकी थोड़ी देखभाल करें तो आपकी बगिया जीवंत, खुशबूदार और मनमोहक बन जाएगी।

बसंत ऋतु फूलों के पौधे लगाने का सबसे उत्तम समय होता है। इस मौसम में गुलाब सबसे पहली पसंद होता है, जिन्हें आप कई रंगों में लगा सकती हैं। गेंदा भी कई रंगों में उपलब्ध होता है और बगिया को चमकदार बना देता है। पेटुनिया के घंटीनुमा, रंग–बिरंगे फूल क्यारियों और गमलों दोनों में खूब खिलते हैं। लिली के छोटे–बड़े फूल लंबे समय तक टिकते हैं। इसके अलावा डायन्थस, फ्लॉक्स, डेहलिया, मोगरा और बुरांश जैसे फूल भी बसंत में खूब खिलते हैं।

आपकी बगिया में वसंती फूल अच्छी तरह खिलें, इसके लिए सही जगह का चयन बहुत जरूरी है। अधिकतर फूलों को हल्की सी तेज धूप पसंद होती है, इसलिए उन्हें ऐसी जगह लगाएं, जहां रोज कम से कम चार से छह घंटे धूप आती हो। पौधे अगर गमलों में लगा रही हैं, तो उन्हें समय–समय पर धूप में रखें। पौधों के लिए बहुत तेज धूप या पूरी छांव दोनों ही नुकसानदेह होती हैं, जो आपकी सुंदर बगिया को बेजान कर सकती है।

पानी, खाद और मिट्टी

वसंत ऋतु में बढ़ते तापमान और नई वृद्धि के कारण पौधों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। अच्छी वृद्धि के लिए पौधों की मिट्टी ऐसी होनी चाहिए, जिसमें पानी जमा न हो। हर 15–20 दिन में जैविक खाद या गोबर की खाद डालने से पौधे अच्छी तरह से बढ़ते हैं। वहीं हफ्ते में एक बार पत्तियों पर पानी का हल्का स्प्रे करने से पौधों में ताजगी बनी रहती है। साथ ही जरूरत हो तो जड़ों में फंगीसाइड का उपयोग भी किया जा सकता है।

छंटाई करना जरूरी

वसंत ऋतु कटाई–छंटाई और पौधों के गमले बदलने के लिए भी सबसे सही समय होता है। सूखी टहनियों और मुरझाए फूलों को हटाने से पौधे और बेहतर तरीके से बढ़ते हैं। फूलों से सजी बगिया घर की सुंदरता बढ़ाती है, तनाव कम करती है और मन को शांति देती है। आज के व्यस्त जीवन में प्रकृति के सानिध्य में कुछ पल बिताने के लिए घर की बगिया सबसे सुरक्षित और सुकूनभरी जगह बन जाती है।

यह फूल दिखेंगे आकर्षक

कैलेंडुला : यह चमकीले पीले और नारंगी रंग का फूल होता है, जो कम देखभाल में भी खूब खिलता है।

क्लार्किया : हल्के गुलाबी और बैंगनी रंगों वाला यह फूल बगीचे को सॉफ्ट और एस्थेटिक लुक देता है।

गोमफ्रेना : यह लंबे समय तक खिलने वाला फूल है, जो सूखने पर भी अपनी रंगत बनाए रखता है।

खास खबर

कलेक्टर के हाथों दिव्यांग बालक आशीष कोर्राम को मिला स्मार्ट फोन

कोंडागांव। समावेशी शिक्षा अंतर्गत दिनांक विशेष आवश्यकता वाले दृष्टि बाधित बच्चों को जिला स्तर पर चयन कर जिला के 08 बच्चों को 27 फरवरी को विकासखंड स्रोत समन्वयक कार्यालय में एक कदम फाउंडेशन मुंबई के द्वारा स्मार्ट फोन प्रशिक्षण उपरांत बच्चों को स्मार्ट फोन वितरण किया गया था, जिसमें विकासखंड कोंडागांव के दृष्टि बाधित छात्र आशीष कोर्राम पिता कमलू राम कोर्राम को तकनीकी समस्या के कारण स्मार्टफोन को वापस लिया गया था। आवेदक कमलू राम ग्राम लखापुरी ने कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया और इस संबंध में जानकारी दी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए समाज कल्याण विभाग एवं समग्र शिक्षा जिला मिशन समन्वयक को निर्देशित किया। एक घंटे में आवेदक कमलू पुत्र आशीष कोर्राम को कलेक्टर के हाथों स्मार्ट फोन दिया गया।

अजीतजिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता 8 मार्च को

एमसीबी। खेल व युवा कल्याण विभाग से मिली जानकारी अनुसार 8 मार्च अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य के बालिका एवं महिलाओं को खेल के प्रति उत्साहित एवं बढ़ावा देने के उद्देश्य से 01 दिवसीय जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, वॉलीबाल, कबड्डी, शतरंज (इंडोर एवं आउटडोर गेम्स) को शामिल किया गया है। जिसमें आयु सीमा 12 वर्ष से ऊपर की बालिकाएं एवं महिलाएं भाग ले सकती है। उन्होने बताया कि जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता 8 मार्च प्रातः 10 से स्वामी आत्मानंद विद्यालय मनेन्द्रगढ़ खेल मैदान में किया जाना है।

सेवानिवृत्त होने पर ललन प्रसाद यादव को दी गयी भावभीनी विदाई

सूरजपुर। जिला एवं सत्र न्यायालय जिला सूरजपुर में पदस्थ ललन प्रसाद यादव, सहायक ग्रेड-2 में 28 फरवरी 2026 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम में विदाई दी गई। ललन प्रसाद यादव का जन्म 05 फरवरी 1964 को हुआ था। यादव द्वारा 09 जनवरी 1990 को अविभाजित मध्यप्रदेश के सतना जिले से न्याय विभाग में अपनी सेवा की शुरुआत की गई। छत्तीसगढ़ राज्य का अस्तित्व आने के पश्चात् उनका स्थानान्तरण जिला एवं सत्र न्यायालय अम्बिकापुर में किया गया। 02 अक्टूबर 2013 को जिला स्थापना अम्बिकापुर से पृथक होकर जिला सूरजपुर अस्तित्व में आया। तत्समय यादव की पदस्थापना सूरजपुर में प्रस्तुतकार के रूप में हुई।

भटगांव में मनाई गई 'आदर्श होली', भाईचारे और संस्कार का दिया गया संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलाईगढ़। बिलाईगढ़ विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत भटगांव में इस वर्ष होली का पर्व एक नई मिसाल के रूप में मनाया गया।

पहली बार नगरवासियों ने सामूहिक पहल करते हुए वाहन में लकड़ी, कंडा और अन्य सामग्री एकत्र कर विधि-विधान से होलिका की स्थापना की और पूजा-अर्चना के बाद होलिका दहन किया।

इस आयोजन में वार्ड की सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को खास बना दिया और समाज में उनके सम्मान और सहभागिता का संदेश दिया। पूरे आयोजन में भाईचारा, सौहार्द और मर्यादित उत्सव की झलक देखने को मिली। नगर पंचायत अध्यक्ष विक्रम कुर्रे और उपाध्यक्ष प्रदीप देवांगन ने बताया कि नगर में पहली बार होली को 'आदर्श होली' के रूप में मनाने के लिए सभी नागरिकों को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि होली के नाम पर फूहड़ता, अश्लीलता और कपड़ा फाड़ने जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के उद्देश्य से यह पहल की गई है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिली आत्मनिर्भरता की नई राह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। राज्य सरकार की 'महतारी वंदन योजना' महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना महिलाओं की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनके और उनके परिवार के सुरक्षित भविष्य की नींव भी मजबूत कर रही है।

कोरबा नगर के पोड़ीबहार क्षेत्र में रहने वाले 'महंत परिवार' की महिलाओं के जीवन में भी इस योजना ने सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले सीमित संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण परिवार की महिलाएं अपने कौशल का सही उपयोग नहीं कर पा रही थीं। घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने के बावजूद उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र होने का अवसर नहीं मिल पाता था। परंतु 'महतारी वंदन योजना' से मिलने वाली आर्थिक सहायता ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई है। परिवार की मुखिया ' रथबाई महंत, उनकी बेटी ''राधिका महंत' तथा बहुएं 'गुरवारी' और 'उर्मिला देवी' इस योजना का लाभ लेकर अब आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं।

रथबाई महंत बताती हैं कि इस योजना से उनकी बेटी और बहुओं को अपने हुनर को आगे बढ़ाने का मौका मिला है। इससे न केवल महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत हुई है। वे कहती हैं कि यह योजना उनके जैसे अनेक परिवारों की महिलाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का माध्यम बन रही है।

परिवार की बहुएं गुरवारी और उर्मिला देवी बताती हैं कि पहले उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परिवार के सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि से वे स्वयं अपने खर्चों का प्रबंधन कर रही हैं और परिवार की आय बढ़ाने में भी योगदान दे रही हैं। इससे उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई है।

उर्मिला देवी का कहना है कि अब घर की सभी महिलाएं मिलकर अपनी आय का एक हिस्सा बैंक में जमा भी कर रही हैं, ताकि भविष्य में परिवार की जरूरतों के समय यह सहारा बन सके। उनके अनुसार इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। वहीं राधिका महंत ने इस योजना से मिली सहायता का उपयोग करते हुए घर पर ही सिलाई-कढ़ाई का काम शुरू कर दिया है। आसपास के लोग उनके पास कपड़े सिलवाने, फॉल पीकू करवाने के लिए आने लगे हैं, जिससे उन्हें नियमित आय होने लगी है। इस काम से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आया है।

आज महंत परिवार की महिलाएं आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। 'महतारी वंदन योजना' ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता देने के साथ-साथ यह विश्वास भी दिलाया है कि जब महिलाएं सशक्त होती हैं, तो पूरा परिवार और समाज प्रगति की ओर बढ़ता है।

वंचित परिवार के कष्ट भरे जीवन में सपनों की हकीकत बनकर आया प्रधानमंत्री आवास

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। प्रत्येक जनहितकारी योजना का लाभ यदि वास्तविक लाभार्थी तक पहुंचता है तो उसका एक अलग ही परिणाम देखने को मिलता है। प्रधानमंत्री आवास जैसी योजना का दायरा उन तमाम वंचित परिवारों को राहत की छांव देने का माध्यम बन रहा है जिनके सपनों में भी पक्के छत का आसरा नहीं था। कोरिया जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत भांड़ी में रहने वाले ऐसे ही एक वंचित परिवार के लिए उनका पक्का आवास अब उनके सपनों की हकीकत हो चुका है।

कोरिया के जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत भांडी में रहने वाली जलकी रानी अपने पति दुलार साय और दो लड़के और दो लड़कियों यानी कुल चार बच्चों के साथ एक कच्चे मकान में जीवन यापन कर रही थीं। मिट्टी की दीवारें, बारिश के दौरान टपकती खपरैल और हर बिगड़ते मौसम में बच्चों की सुरक्षा की चिंता यही उनकी रोजमर्रा की सच्चाई बन चुकी थी। बरसात में घर के भीतर पानी भर जाता, गर्मी में तपती छत और सर्दी में ठंडी हवाएँ दैनिक जीवन संघर्ष में परिवार की परेशानियाँ और बढ़ा देती थीं।

इस वंचित परिवार की आय का मुख्य स्रोत मजदूरी है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मनरेगा जैसी योजना के माध्यम से उन्हे सौ दिवस के रोजगार के बाद अन्य किसानों के खेतों में मजदूरी कर किसी तरह अपने बच्चों का पालन-पोषण करते थे। मजदूरी से मिलने वाली सीमित आय और परिवार में बच्चों की बढ़ती जिम्मेदारियों के बीच इस दंपत्ति का जीवन अत्यंत संघर्षपूर्ण होने से उनके लिए पक्के मकान का सपना केवल सपने जैसा ही था।

इस परिवार के दैनिक जीवन में आशा की एक नई किरण के रूप में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत उन्हें पक्के घर की स्वीकृति मिली। यह उनके लिए किसी सपने के सच होने से कम नहीं थी।

जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में आई तेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में लगातार प्रगति दर्ज की जा रही है। इस योजना के तहत केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे सोलर रूफटॉप स्थापना आम नागरिकों के लिए अधिक किफायती और सुलभ हो गई है। जिले में अब तक कुल 8 हजार 416 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इनमें से 3 हजार 727 लाभार्थियों ने वेंडर का चयन कर लिया है। वहीं 1 हजार 584 घरों में सोलर पैनलों की स्थापना पूरी हो चुकी है तथा 991 उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि का वितरण भी किया जा चुका है। फरवरी माह में योजना के प्रति लोगों का उत्साह देखने को मिला। इस दौरान 721 नए आवेदन प्राप्त हुए, जबकि 433 घरों में सोलर पैनलों की स्थापना पूर्ण की गई। जिले में योजना के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है और नागरिक सक्रिय रूप से इससे जुड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर भी दिखाई देने लगा है। सोलर पैनल लगने से बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिल में कमी आई है। कई घरों में बिजली बिल शून्य अथवा नकारात्मक भी आ रहा है, यानी उपभोक्ता अतिरिक्त उत्पादित सौर ऊर्जा को ग्रिड में आपूर्ति कर अतिरिक्त आय भी अर्जित कर रहे हैं। इससे न केवल परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि वे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलने से पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवारों तक शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी तरीके से पहुंचे। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण सोलर इंस्टॉलेशन, समयबद्ध सब्सिडी वितरण और उपभोक्ताओं को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में पहली बार 'महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप' का आयोजन

जल पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, रोमांचक नौकायन प्रतियोगिता 11 मार्च को

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में पर्यटन गतिविधियों को नई पहचान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की पहल पर जिला पर्यटन समिति धमतरी द्वारा गंगरेल बांध में पहली बार 'गंगरेल नौकायन उत्सव' के अंतर्गत 'महानदी रिवर बोट चैंपियनशिप' का आयोजन किया जा रहा है। यह रोमांचक नौका दौड़ प्रतियोगिता 11 मार्च 2026, बुधवार को दोपहर 3 बजे से गंगरेल बांध, धमतरी में आयोजित होगी।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य जिले में जल पर्यटन को बढ़ावा देना, स्थानीय युवाओं को साहसिक खेलों के प्रति प्रेरित करना तथा गंगरेल क्षेत्र को पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करना है। इस आयोजन से न केवल स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, बल्कि पर्यटकों के लिए भी यह एक आकर्षक आयोजन साबित होगा।

आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में भाग लेने वाली टीमों के लिए पंजीयन अनिवार्य किया गया है। प्रत्येक टीम के लिए 500 रुपये पंजीयन शुल्क निर्धारित किया गया है। टीम पंजीयन की अंतिम तिथि 9 मार्च 2026, सोमवार शाम 5 बजे तक तय की गई है। इच्छुक टीमें कोड के माध्यम से भी पंजीयन करा सकती हैं।

प्रतियोगिता में विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। नाव दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 1 लाख रुपये, द्वितीय स्थान के लिए 50 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान के लिए 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त नाव सजावट और पारंपरिक वेशभूषा के लिए भी 11-11 हजार रुपये के विशेष पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं, जिससे प्रतियोगिता में सांस्कृतिक रंग भी देखने को मिलेगा।

प्रतियोगिता के नियमों के अनुसार सभी प्रतिभागियों की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना आवश्यक है तथा प्रत्येक प्रतिभागी के पास वैध पहचान पत्र होना अनिवार्य रहेगा। प्रत्येक टीम में दो सदस्य होंगे तथा आवश्यकतानुसार एक अतिरिक्त (रिजर्व) खिलाड़ी रखने की अनुमति होगी। सभी प्रतिभागियों के लिए समान वेशभूषा अथवा लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया गया है।

आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता में केवल आयोजक द्वारा स्वीकृत पारंपरिक नावों को ही भाग लेने की अनुमति दी जाएगी तथा इंजन या मोटर चालित नावों का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। दौड़ की दूरी पूर्व निर्धारित रहेगी और जो नाव सबसे पहले फिनिश लाइन पार करेगी, उसे विजेता घोषित किया जाएगा।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं। मौके पर बचाव दल, सुरक्षा नाव, लाइफ जैकेट, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था तथा एम्बुलेंस उपलब्ध रहेगी। खराब मौसम की स्थिति में प्रतियोगिता को आवश्यकतानुसार स्थगित भी किया जा सकता है।

शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं और निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करें : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। कलेक्टर अमित कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समय-सीमा बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर अमित कुमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी 'रिजल्ट ओरिएंटेड' कार्यप्रणाली अपनाते हुए निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने सभी शासकीय कार्यालयों में आधार-आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। कर्मचारियों की समय पर उपस्थिति अनिवार्य होगी। सोमवार से बुधवार तक सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को मुख्यालय में उपस्थित रहकर जन-समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। आम नागरिकों की सुविधा के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में हेल्प डेस्क एवं सिंगल विंडो सिस्टम प्रारंभ किया जा रहा है। बैठक में निर्देशित किया गया कि जिले में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं कार्ड निर्माण सुनिश्चित किया जाए। जिला चिकित्सालय में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता तथा 108 एंबुलेंस सेवा की सतत निगरानी के निर्देश दिए गए। जगरगुंडा, कोंटा एवं दोरनापाल में ट्रांजिट हॉस्टल निर्माण कार्य, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एवं पुस्तकालयों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप योजनाओं का लाभ जिले के अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे, यह सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आधार नामांकन, डीबीटी और विनिर्माण कार्यों से संबंधित योजनाओं को भी प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश बैठक में दिए गए।

खाद्य सुरक्षा एवं ग्रामीण विकासः खाद्य विभाग को प्रत्येक माह की 7 तारीख से पूर्व उचित मूल्य दुकानों में राशन पहुंचाने तथा वर्षा प्रभावित दूरस्थ क्षेत्रों में अग्रिम भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना (2024-25) के लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण करने एवं विद्यालयों में बालिकाओं हेतु अनिवार्य रूप से शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। मिशन कनेक्ट पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित थे।

अग्नि सुरक्षा हेतु जन जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। वनमण्डल में अग्नि सुरक्षा हेतु जन-जागरूकता अभियान संचालित जशपुर वनमण्डल अन्तर्गत समस्त वन परिक्षेत्रों में फायर सीजन को दृष्टिगत रखते हुए व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत वन प्रबंधन समितियों के अध्यक्ष, सचिव, सदस्य गण एवं संबंधित ग्रामों के ग्रामीणों की बैठके आयोजित की जा रही हैं। बैठकों में उपस्थित जनसमुदाय को वनों में आग लगने के कारणों, दुष्परिणामों तथा उससे ढोने वाली पर्यावरणीय एवं आर्थिक क्षति के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की जा रही है। ग्रामीणों को समझाइश दी जा रही हैं कि वे किसी भी परिस्थिति में जानबूझकर अथवा लापरवाहीयज्ञ वन क्षेत्र में आग न लगाएँ। विशेष रूप से मठुआ, तेंदूपता संग्रठण अथवा खेत साफ करने के उद्देश्य से आग लगाने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने हेतु जागरूक किया जा रहा है।

वनों में आग लगने से न केवल बहुमूल्य वृक्ष प्रजातियाँ एवं वन्यजीव प्रभावित होते हैं, बल्कि जैव विविधता, प्राकृतिक पुनर्जनन, मृदा की उर्वरता तथा पर्यावरण संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों की आजीविका से जुड़े लघु वनोपज संसाधनों को भी गंभीर क्षति पहुँचती है। वन विभाग द्वारा ग्रामीणों से अपील की गई है कि- वनों में आग न लगाएँ।

यदि किसी भी स्थान पर आग दिखाई दे, तो तत्काल संबंधित वनरक्षक/परिक्षेत्र कार्यालय को

सूचित करोः आग बुझाने के कार्य में वन विभाग को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। वन मण्डल के समस्त परिक्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा दल सक्रिय हैं तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। विभाग द्वारा आवश्यक उपकरणों एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई हैं। वन विभाग, जशपुर समस्त नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा करता है कि वे वनों की सुरक्षा को अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए आगजनी की घटनाओं की रोकथाम में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

खास खबर

युवक पर चाकू से हमला कर उतारा मौत के घाट, एक गिरफ्तार

भाटापारा। दिनांक 05.03.2026 को रात्रि 10.45 बजे लगभग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भाटापारा के सामने आरोपी मनोज ध्रुव एवं अन्य 03 आरोपियों द्वारा मृतक गणेश झंझोटे का रास्ता रोककर, पुरानी बात को लेकर वाद विवाद करते हुए अपने पास रखे चाकू से हत्या करने के नियत से गणेश झंझोटे के शरीर में वारकर दिया गया, जिससे गणेश को गंभीर चोंटे आई। तत्पश्चात उसे इलाज के लिए तुरंत जीवन मल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर द्वारा गणेश झंझोटे को मृत घोषित किया गया। थाना भाटापारा शहर पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में शामिल 04 आरोपियों की पहचान कर ली गई है तथा जिसमें से एक आरोपी मनीष ध्रुव को तत्काल हिरासत में भी ले लिया गया है। प्रकरण में जांच एवं विवेचना कार्रवाई जारी है तथा मृतक गणेश झंझोटे की हत्या करने वाले आरोपियों की सरगर्मी से पता तलाश की जा रही है। प्रकरण में प्राची करण राठौर उर्फ बिट्टू उम्र 27 वर्ष निवासी शक्ति वार्ड भाटापारा की रिपोर्ट पर थाना भाटापारा शहर में अपराध क्र. 93/2026 धारा 126(2),103(1),109(1),3(5) बीएनएस का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। संपूर्ण प्रकरण के संबंध में जांच एवं विवेचना कार्यवाही पश्चात पृथक से जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

तलवार लहराकर लोगों को डराने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन के निर्देश पर थाना सिविल लाइन पुलिस ने ताजनगर क्षेत्र में तलवार लहराकर लोगों को डराने-धमकाने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 05 मार्च 2026 को सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ व्यक्ति ताजनगर इलाके में धारदार तलवार लहराकर लोगों को आतंकित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना सिविल लाइन पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरबाज खान (24 वर्ष) पिता शेख जमलुद्दीन, निवासी तक नगर पंडरी पुलिस चौकी के पास थाना सिविल लाइन; दुर्गेश साहू उर्फ जरहा (26 वर्ष) पिता देवानंद साहू, निवासी काली नगर पुलिस चौकी के पास थाना सिविल लाइन; तथा नंदन राय (40 वर्ष) पिता स्वर्गीय अमल कृष्ण राय, निवासी पंडरी गांधी नगर चंद्राकर किराना स्टोर के पास थाना सिविल लाइन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से धारदार तलवार भी जब्त की है। फिलहाल तीनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट एवं अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मनेन्द्रगढ़ में पति ने पत्नी की हत्या की

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। मनेन्द्रगढ़ शहर के चनवारीडांड स्थित वार्ड क्रमांक 1 में गुरुवार को एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार, चनवारीडांड निवासी राज पेंटर और उसकी पत्नी सुबरतिया बाई के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि घटना के समय पति-पत्नी दोनों शराब के नशे में थे। आपसी कहासुनी बढ़ने पर पति राज पेंटर ने गुस्से में आकर पत्नी पर हमला कर दिया। इस हमले में सुबरतिया बाई की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी पति राज पेंटर को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

होली के जश्न में खूनी संघर्ष

गिधपुरी में 13 गिरफ्तार, पलारी में 14 पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदा बाजार। बलौदाबाजार जिले में होली पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। गिधपुरी थाना क्षेत्र के ग्राम गैतरा में होली के दिन हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। वहीं, पलारी पुलिस ने होली से पहले और होली के दिन अशांति फैलाने की आशंका में 14 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया।

पुलिस के अनुसार, यह घटना होली के दिन देर रात ग्राम गैतरा में हुई। होली मनाने के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई। दोनों तरफ से लाठी-डंडे और लकड़ियों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही गिधपुरी थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और घायलों को इलाज के लिए पलारी अस्पताल भेजा। अस्पताल में देर रात तक घायलों का इलाज चलता रहा, जिससे वहां काफी भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी गिधपुरी संदीप बंजारे को शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों से पूछताछ और घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों पर तीन अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए।

पुलिस ने कुल 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि होली के दिन कहासुनी के बाद उन्होंने एक-दूसरे पर हमला किया। गिरफ्तार आरोपियों में विष्णु प्रसाद फेकर, समीर फेकर, देव कुमार फेंकर, संतोष फेकर, प्रीतम फेंकर, रवि फेंकर, रविंद्र फेकर, किशन मनहरे, किशोर मनहरे, विकास साण्डे, अजय साण्डे, आदित्य साण्डे और एक बालक शामिल हैं। सभी को 5 मार्च को न्यायालय में पेश किया गया।

वहीं, पलारी पुलिस थाना क्षेत्र में भी प्रशासन सतर्क रहा। त्योहार के दौरान शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने दो दिनों में 14 संदिग्ध लोगों के खिलाफ कार्रवाई की और उन्हें धारा 151 के तहत गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में पेश किया।

अंधेकत्ल की गुत्थी सुलझी, दोस्त ही निकला कातिल, 12 घंटे के अंदर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। फाफाडीह स्थित रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी के पीछे संदिग्ध परिस्थितियों में मिले युवक के शव के मामले में पुलिस ने 12 घंटे के भीतर बड़ा खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक को घर से घुमाने ले जाने वाला उसका दोस्त ही हत्या का आरोपी निकला।

जानकारी के अनुसार 05 मार्च 2026 की सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि खारुन विहार स्थित रेलवे इंजीनियरिंग कॉलोनी फाफडीह के पीछे नाले के पास एक युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही डीसीपी सेंट्रल जोन, एडिशनल डीसीपी, कोतवाली एसीपी सहित थाना गंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा व साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। जांच के दौरान मृतक की पहचान राजा साहू (लगभग 25 वर्ष) निवासी चुनाभट्ठी, थाना गंज क्षेत्र के रूप में हुई। परिजनों ने पुलिस को बताया कि राजा सुबह करीब 8 बजे किसी परिचित युवक के साथ बाहर जाने की बात कहकर घर से निकला था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट तथा थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के आधार पर पता चला कि चुनाभट्ठी निवासी बिट्टू यादव (19 वर्ष) राजा साहू को घर से अपने साथ लेकर निकला था और वही घटना स्थल के पास भी दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की पतासाजी कर घेराबंदी की और उसे हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह और मृतक अक्सर साथ घूमते थे। कुछ दिन पहले उसकी गाड़ी में हुई टूट-फूट का पैसा वह राजा से मांग रहा था।

बार-बार पैसे मांगने के बावजूद पैसे नहीं मिलने से वह नाराज था। इसी बात को लेकर सुबह दोनों के बीच विवाद हुआ और गुस्से में आरोपी ने राजा पर हमला कर दिया और मौके से फरार हो गया। फिलहाल आरोपी पुलिस हिरासत में है और उससे पूछताछ कर आगे की साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार डीसीपी सेंट्रल जोन के मार्गदर्शन में अलग-अलग टीम बनाकर सीसीटीवी जांच, आरोपी की पतासाजी और साक्ष्य संकलन किया गया, जिसके चलते घटना के महज 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

दुर्ग पाटन तालाब में युवक का शव मिलाः डूबने से मौत की आशंका

दुर्ग। जिले के पाटन थाना क्षेत्र में होली के दूसरे दिन गुरुवार सुबह ग्राम राखी के एक तालाब में एक युवक का शव तैरता हुआ मिला। सुबह टहलने निकले स्थानीय लोगों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद इलाके में सनसनी फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह कुछ ग्रामीण रोज की तरह तालाब के आसपास टहल रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में तैरते शव पर पड़ी। ग्रामीणों ने तत्काल पाटन पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकलवाया। पाटन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर प्रारंभिक जांच शुरू की। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। जांच के दौरान मृतक की पहचान सूरज दास मानिकपुरी (26 वर्ष) के रूप में हुई है। वह रायपुर जिले के सेजबहार क्षेत्र का रहने वाला था और होली का त्योहार मनाने अपने ससुराल ग्राम राखी आया हुआ था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, युवक होली खेलने के बाद तालाब में नहाने गया था, जहां संभवतः गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई।

बलौदाबाजार तहसील कार्यालय में भीषण आगः दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया, सभी दस्तावेज सुरक्षित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिला मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय में आज तड़के भीषण आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और दमकल टीम को सूचना दी गई।

घटनास्थल पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सभी दस्तावेज सुरक्षित हैं। दरअसल, घटना सुबह करीब 5:30 बजे की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग एसडीओपी कार्यालय की पुरानी बिल्डिंग से शुरू हुई, जो कि तहसीलदार कार्यालय और रिकॉर्ड रूम तक फैल गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने रिकॉर्ड रूम को खाली कराने का

निर्देश दिया। कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की सहायता से सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और राजस्व अभिलेखों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी महत्वपूर्ण दस्तावेज आग की चपेट में न आए। आग बुझाने के लिए नगर पालिका के दमकल विभाग के साथ-साथ आसपास के सीमेंट संयंत्रों से भी दमकल वाहन बुलाए गए। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक कार्यालय का काफी फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो चुका था।

एसडीएम प्रकाश कोरी ने बताया कि तहसील कार्यालय में सुबह 5:30 बजे आग लगी थी। उन्होंने पुष्टि की कि प्रशासन की तत्परता से रिकॉर्ड रूम को तुरंत खाली करा लिया गया था, जिससे सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज और राजस्व अभिलेख पूरी तरह सुरक्षित हैं। आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

राजनांदगांव पुलिस की होली पर कार्रवाईः अवैध शराब व हुड़दंगी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। पुलिस ने होली पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाने के लिए 'क्लीन स्वीप' अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की गई। डोंगरगांव, कोतवाली और सुरगी पुलिस ने अवैध शराब, नशीली दवाएं जब्त कीं और शांति भंग करने वालों को गिरफ्तार किया।

डोंगरगांव पुलिस ने शुष्क दिवस पर अवैध शराब बिक्री के खिलाफ कार्रवाई की। निरीक्षक आशीर्वाद राहटगांवकर के नेतृत्व में पुलिस ने अमलीडीह स्थित 'भारत ढाबा' पर दबिश दी और ढाबा संचालक निजामुद्दीन अंसारी उर्फ राजा को गिरफ्तार किया। उसके पास से 320 नग देशी प्लेन और 16 पौवा अंग्रेजी शराब बरामद की गई। कुल 336 पौवा (60.480 बल्क लीटर) शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 28,800 रुपये है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। कोतवाली पुलिस और चिखली चौकी की टीम ने नशीली दवाओं के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की। सीआईटी बाईपास लखोली रोड के पास घेराबंदी कर आदिल अहमद सिद्दीकी और नितेश पांडे नामक दो आरोपियों को पकड़ा गया। उनके पास से 100 नग नाइट्रोमेक-10 और 480 नग अल्प्राजोलम टैबलेट सहित भारी मात्रा में नशीली दवाएं बरामद हुईं।

पुलिस के अनुसार, इन टैबलेट्स को होली के दौरान शहर में खपाने की योजना थी। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। चौकी सुरगी पुलिस ने होली (धुर होली) पर मोहल्ले में विवाद कर अशांति फैलाने की कोशिश करने वाले दो व्यक्तियों पर कार्रवाई की। सुरगी निवासी सचिन चंद्रवंशी और सिंघोला निवासी राजेंद्र सोनवानी के खिलाफ धारा 170, 126, 135(3) BNS के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। निरीक्षक ढाल सिंह साहू के नेतृत्व में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

सूरजपुर में बंद खदान की झील में डूबा युवक, मौत

सूरजपुर। सूरजपुर जिले के भटगांव में एसईसीएल की बंद खदान में बनी गहरी झील में 15 साल का एक किशोर डूब गया और उसकी मौत हो गई। गुरुवार को पुलिस ने डीआरएफऔर एसईसीएल के बचाव दल की मदद से शव बाहर निकाला। आशंका है कि नहाने के दौरान किशोर गहरे पानी में डूब गया। यह मामला भटगांव थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, भटगांव के बी-टाइप कॉलोनी निवासी विकास ठाकुर (15 वर्ष) बुधवार को होली खेलकर लौटा था। वह दोपहर करीब 3.30 बजे घर से निकला, लेकिन देर शाम तक घर वापस नहीं लौटा। उसकी मां सावित्री ठाकुर ने कई बार उसे कॉल किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसकी सूचना भटगांव थाने में दी गई।

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं तिलेश्वरी बारले पति ओम शंकर बराहेन निवासी- 229, मिनी माता चौक, कृष्णा नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग. यह शपथ करती हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम तिलेश्वरी पति ओम शंकर बराहेन रख ली हूं।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम तिलेश्वरी पति ओम शंकर बराहेन से ही जानी पहचानी जावे।

तिलेश्वरी
पता - 229, मिनी माता चौक, कृष्णा नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग.

नाम परिवर्तन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं ओम शंकर पिता नन्द कुमार निवासी- 889, मिनी माता चौक, कृष्णा नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग. यह शपथ करता हूं कि मैंने अपना यह पुराना नाम को त्याग कर नया नाम ओम शंकर बराहेन पिता नन्द कुमार रख लिया हूं।

अतः आज से मुझे समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरे नये नाम ओम शंकर बराहेन पिता नन्द कुमार से ही जाना व पहचाना जावे।

ओम शंकर बराहेन
पता - 889, मिनी माता चौक, कृष्णा नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग छ.ग.

धमतरी में नागेश्वर मंदिर के पास जुआ खेलते 5 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में पुलिस ने जुआ खेलते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से नकदी, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल और इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी सहित कुल 1 लाख 68 हजार 375 रुपये का सामान जब्त किया गया है। यह कार्रवाई सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के हटकेशर वार्ड स्थित नागेश्वर तालाब के पास की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग सार्वजनिक स्थान पर ताश

पत्ती से 'काट-पत्ती' नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दबिश दी। दबिश के दौरान पांच जुआरी रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेलते पकड़े गए। उनके पास से 7,375 रुपए नकद, 4 मोबाइल फोन, 3 मोटरसाइकिल और 1 इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी बरामद की गई। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत 1 लाख 68 हजार 375 रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान उमेश बहीरानी (45 वर्ष, विवेकानंद नगर), रविकुमार यादव (40 वर्ष, हटकेशर दुर्गा मंदिर), इंदरचंद बंगानी (बठेना पारा), लक्ष्मण सागरवंशी (विवेकानंद नगर) और लीलाराम साहू (43 वर्ष, हटकेशर वार्ड) के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

छ.ग.गृह निर्माण मण्डल, वृत्त-दुर्ग

प्रथम निविदा आमंत्रण   विज्ञापन क्र. 07

अटल विहार योजनांतर्गत सेलूद पाटन, जिला-दुर्ग में शेष विकास कार्य (फेस-II) हेतु प्रपत्र-'अ' में राशि रू. 180.67 लाख की ऑनलाईन निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत 'स' वर्ग एवं ऊपर श्रेणी के ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण मण्डल वेबसाईट www.cghb.gov.in एवं http://eproc.cgstate.gov.in में उपलब्ध है।अन्य जानकारी हेतु मो.नं. 94242-84256 पर सम्पर्क करें।

उपायुक्त

"सबके घर की आस, सबके लिए आवास, छ.ग.गृह निर्माण मण्डल पर सबका विश्वास"

S-47083/3

रायपुर में स्कूल के आस-पास के दुकानों पर एक्शन

रायपुर। डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर तंबाकू नियंत्रण के लिए मंदिर हसौद क्षेत्र में COTPA के तहत विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों के आसपास की दुकानों का निरीक्षण किया गया और तंबाकू उत्पादों की बिक्री की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 25 दुकानदारों पर चालान की कार्रवाई की गई। इन दुकानदारों से कुल 1450 रुपए का जुर्माना भी वसूला गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को आगे से नियमों का पालन करने और स्कूलों के आसपास तंबाकू उत्पाद नहीं बेचने की समझाइश दी। यह कार्रवाई अभिलाषा पैकरा के मार्गदर्शन में की गई। अभियान में ओमप्रकाश यादव, प्रीति उपाध्याय , डॉ. प्रज्ञा लोधी और जयती अवस्थी शामिल रहे।

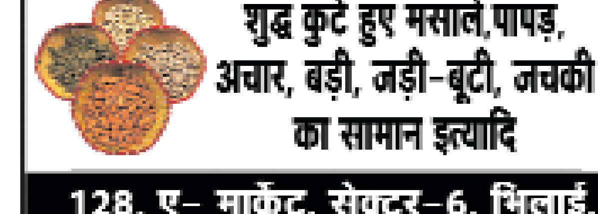

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में सतत् प्रगति पथ पर छत्तीसगढ़

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

- विगत दो वर्षों में **1600 से अधिक** चिकित्सकीय पदों पर भर्तियां
- दूरस्थ इलाकों तक सुगम चिकित्सा सेवाओं के लिए **पीएम जनमन योजना** अंतर्गत 57 डेडीकेटेड मोबाइल मेडिकल यूनिट
- टेलीमेडिसिन के माध्यम से विगत दो वर्षों में **2 लाख से अधिक** लोगों को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं
- आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत पिछले दो वर्षों में कुल 31.44 लाख से अधिक क्लेम प्रकरणों में लगभग **₹4551 करोड़** का उपचार/भुगतान
- मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना अंतर्गत पिछले दो वर्षों में कुल 2273 लाभार्थियों को **₹62.20 करोड़** की उपचार सहायता
- मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष अंतर्गत विगत दो वर्षों में 177 कार्यों हेतु **₹271.45 करोड़** की प्रशासकीय स्वीकृति
- **5 नए** शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना
- **6 नवीन** शासकीय फिजियोथैरेपी चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना
- **9 नवीन** शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना

RO 45320/7

हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सुशासन से समृद्धि की ओर

ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950